Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 07, अंक 201 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, बुधवार 01 अक्टूबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

सोनम वांगचुक की पत्नी का बड़ा बयानः कहा- डीजीपी के आरोप झूठे...ये साजिश है, सरकार बना रही बलि का बकरा

लेह। पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के खिलाफपुलिस द्वारा लगाए गए आरोपों पर उनकी पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो ने ऐतराज जताया है। उन्होंने पुलिस महानिदेशक के बयानों को झूठा और गढ़ी गई कहानी बताते हुए कहा कि यह एक सोची-समझी साजिश है, जिसके जरिए किसी को फंसाकर मनमर्जी करने की कोशिश हो रही है। गीतांजलि ने कहा, हम डीजीपी के बयान की कड़ी निंदा करते हैं। सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि पूरा लद्दाख इन आरोपों को खारिज करता है। ये एक बनावटी कहानी है, ताकि किसी को बलि का बकरा बनाया जा सके और वे जो चाहें वो कर सकें। उन्होंने सवाल उठाया कि सीआरपीएफ को गोली चलाने का आदेश किसने दिया? अपने ही नागरिकों पर गोली कौन चलाता है? खासकर वहां, जहां कभी हिंसक प्रदर्शन नहीं हुए। गीतांजलि का कहना है कि सोनम वांगचुक का इस पूरी घटना से कोई लेना-देना नहीं था। वे तो उस समय किसी और जगह शांतिपूर्वक भूख हड़ताल पर बैठे थे। वे वहां मौजूद ही नहीं थे, तो वे किसी को कैसे उकसा सकते हैं? आरोप लगाया कि प्रशासन का मकसद छठे शेड्यूल को लागू न करना है, और इसके लिए एक झूठा नैरेटिव गढ़ा जा रहा है। डीजीपी जो कुछ भी कह रहे हैं, वो एक एजेंडे का हिस्सा है। वे किसी भी हालत में 6ठा शेड्यूल लागू नहीं करना चाहते और अब किसी को बलि का बकरा बना रहे हैं।

'मेरे खिलाफकरें कार्रवाई, लेकिन कार्यकर्ताओं को परेशान...', विजय ने सीएम स्टालिन से की अपील

चेन्नई। टीवीके के प्रमुख और तमिल एक्टर विजय की की चुनावी रैली में 27 सितंबर का शाम मची भगदड़ के बाद एक वीडियो संदेश जारी किया है। विजय ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने अभी तक भगदड़ के शिकार हुए लोगों से मुलाकात नहीं की है क्योंकि वहां मेरी मौजूदगी से 'असामान्य स्थिति' पैदा हो सकती है। मैंने अपने जीवन में इस तरह की दर्दनाक स्थिति नहीं देखी है, जल्द ही इस भगदड़ का सच सामने आएगा। मंगलवार को अभिनेता विजय की ओर से जारी वीडियो संदेश उन्होंने कहा, मैं करूर नहीं गया क्योंकि वहां मेरी मौजूदगी से असामान्य स्थिति पैदा हो सकती है।। मैं जल्द ही आपसे मिलूंगा। मैंने अपने जीवन में कभी ऐसी 'दर्दनाक स्थिति' का सामना नहीं किया है। भगदड़ का सच जल्द ही सामने आएगा। जो नहीं होना चाहिए था वो हो गया। उन्होंने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को चुनौती दी कि वे उनके साथ कुछ भी करें, लेकिन अपनी पार्टी के सहयोगियों के साथ ऐसा न करें। विजय ने कहा कि इस घातक घटना का सच जल्द ही सामने आएगा और उन्होंने संकेत दिया कि वह कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार हैं। इस मामले में सत्तारूढ़ डीएमके को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा, सीएम साहब, अगर आपके मन में बदला लेने का विचार है, तो आप मेरे साथ कुछ भी कर सकते हैं, लेकिन पार्टी के लोगों को हाथ भी नहीं लगाएंगे। उन्होंने दावा किया कि घटना वाले दिन, लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, वह करूर से जल्दी से निकल गए थे। विजय ने कहा कि यह समय राजनीति से ऊपर उठकर मानवता के साथ खड़े होने का है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का संकल्पः 2028-29 तक पूरा छत्तीसगढ़ होगा बाल विवाह मुक्त

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान में छत्तीसगढ़ ने रचा इतिहास

बालोद जिला बना देश का पहला बाल विवाह मुक्त जिला, सूरजपुर की 75 पंचायतें भी हुईं शामिल

रायपुर (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 27 अगस्त 2024 को शुरू किए गए बाल विवाह मुक्त भारत राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। राज्य का बालोद जिला पूरे देश का पहला जिला बन गया है, जिसे आधिकारिक रूप से बाल विवाह मुक्त घोषित किया जा सकता है। बालोद जिले की सभी 436 ग्राम पंचायतों और 09 नगरीय निकायों को विधिवत प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया है।

बालोद बना राष्ट्रीय उदाहरण

विगत दो वर्षों में बालोद जिले से बाल विवाह का एक भी मामला सामने नहीं आया। दस्तावेजों के सत्यापन और विधिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब जिले के सभी पंचायतों एवं नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त का दर्जा मिल गया है। इस अभूतपूर्व उपलब्धि के साथ बालोद जिला पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन गया है।

बालोद जिला कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि यह उपलब्धि प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और समुदाय की सामूहिक भागीदारी का परिणाम है। उन्होंने सभी पंचायतों और नगरीय निकायों को इस प्रयास में सक्रिय सहयोग देने के लिए धन्यवाद भी दिया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर सूरजपुर जिले की 75 ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत घोषित किया गया। विगत दो वर्षों में इन पंचायतों से भी बाल विवाह का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ। इसे राज्य सरकार ने सामाजिक सुधार की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने बाल विवाह उन्मूलन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। हमारा लक्ष्य है कि चरणबद्ध तरीके से वर्ष 2028-29 तक पूरे राज्य को बाल विवाह मुक्त घोषित किया जाए। यह केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का संकल्प है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अन्य जिलों में भी पंचायतों और नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त घोषित करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। जिन जिलों में पिछले दो वर्षों में बाल विवाह का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है, वहां शीघ्र ही प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे।

समाज औ सरकार की साझेदारी से संभव हुआ बाल विवाह उन्मूलनः राजवाड़े

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने इस उपलब्धि को छत्तीसगढ़ ही नहीं, पूरे देश के लिए प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा कि बालोद की यह उपलब्धि साबित करती है कि यदि समाज और सरकार मिलकर कार्य करें तो बाल विवाह जैसी कुप्रथा को जड़ से समाप्त किया जा सकता है।

केंद्रीय कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा, सरकार ने किया 30 दिन की सैलरी के बराबर बोनस का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दशहरा और दिवाली के त्योहारों से ठीक पहले केंद्र सरकार ने अपने लाखों कर्मचारियों को बड़ी खुशखबरी दी है। वित्त मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय कर्मचारियों को नॉन-प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस (एड-हॉक बोनस) देने की घोषणा की है। इस फैसले के तहत, सभी पात्र कर्मचारियों को 30 दिनों के वेतन के बराबर की राशि बोनस के रूप में मिलेगी। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है।

किन कर्मचारियों को मिलेगा फायदा?

जारी आदेश के मुताबिक, इस बोनस का लाभ केंद्र सरकार के ग्रुप 'ष्ट' के सभी कर्मचारियों और ग्रुप 'क्च' के उन सभी गैर-राजपत्रित (ह्रश्वठ्ठ-त्रड्ड5द्गह्लह्लद्गस्र) कर्मचारियों को मिलेगा, जो किसी अन्य प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस स्कीम में शामिल नहीं हैं। इनके अलावा, केंद्रीय अर्धसञ्जसैनिक बलों और सशस्त्र बलों के पात्र कर्मियों के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेशों के उन कर्मचारियों को भी यह बोनस दिया जाएगा जो केंद्र सरकार के वेतन पैटर्न का पालन करते हैं। हालांकि, इस बोनस के लिए पात्रता की कुछ शर्तें भी हैं, जिसके तहत लाभ केवल उन्हीं कर्मचारियों को मिलेगा जो 31 मार्च, 2025 तक सेवा में थे और जिन्होंने वर्ष 2024-25 के दौरान कम से कम 6 महीने की निरंतर सेवा दी हो। जिन कर्मचारियों ने पूरे साल सेवा नहीं दी है, उन्हें सेवा के महीनों के अनुपात में (प्रो-राटा आधार पर) यह बोनस प्रदान किया जाएगा।

कैसे होगी बोनस की गणना?

एड-हॉक बोनस की गणना के लिए मासिक वेतन की अधिकतम सीमा (ष्टद्गद्बद्यद्बठ्ठद्द) 7,000 रुपये तय की गई है। बोनस की राशि की गणना कर्मचारी के औसत वेतन या 7,000 रुपये (जो भी कम हो) के आधार पर की जाएगी।

उदाहरण के लिए- यदि किसी कर्मचारी का मासिक वेतन 7,000 रुपये है, तो उसका 30 दिनों का बोनस लगभग 6,908 रुपये बनेगा।

फॉर्मूला- एक दिन के बोनस की गणना के लिए साल भर के औसत वेतन को 30.4 (महीने में औसत दिन) से भाग दिया जाएगा। फिर, इस राशि को 30 से गुणा किया जाएगा।

कैजुअल मजदूरों के लिए भी व्यवस्था

आदेश में कैजुअल मजदूरों का भी ध्यान रखा गया है। ऐसे कैजुअल लेबर, जिन्होंने पिछले तीन वर्षों के दौरान निर्धारित कार्य दिवसों तक काम किया है, उन्हें 1,184 रुपये का निश्चित बोनस दिया जाएगा। इस घोषणा से त्योहारी सीजन के दौरान लाखों केंद्रीय कर्मचारियों और उनके परिवारों को बड़ी आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है।

पाकिस्तान के क्वेटा में बम ब्लास्ट, 10 की मौत:32 घायल

राष्ट्रपति जरदारी बोले- इसके पीछे भारत समर्थित आतंकियों का हाथ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में मंगलवार दोपहर भीड़भाड़ वाली सड़क पर सुसाइड बम ब्लास्ट हुआ। पाकिस्तानी न्यूज पेपर डॉन के मुताबिक, इसमें 10 लोगों की मौत हो गई और 32 घायल हैं। मारे गए लोगों में 4 उग्रवादी भी हैं।

क्वेटा के एसएसपी मोहम्मद बलोच के मुताबिक, पैरामिलिट्री फोर्स हेडक्वार्टर के पास विस्फोटक से भरी गाड़ी में धमाका हुआ। धमाका इतना तेज था कि आसपास के घरों की खिड़कियां टूट गई और दीवारों में दरार आ गई।

पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने कहा है कि इसके पीछे भारत समर्थित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आतंकियों का हाथ है। भारत ने अभी तक इस आरोप पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

क्वेटा के सभी बड़े हॉस्पिटल में इमरजेंसी घोषित

बलूचिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री बख्त मोहम्मद काकर के मुताबिक घायलों को सिविल अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। सभी बड़े अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है।

इनमें क्वेटा सिविल अस्पताल, बलूचिस्तान मेडिकल कॉलेज अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर शामिल हैं। सभी डॉक्टरों, फार्मासिस्ट, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ को अस्पतालों में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने इस घटना को आतंकी हमला बताया। उन्होंने कहा, धमाके के बाद सुरक्षा बलों ने कार्रवाई की और चार आतंकियों को मार गिराया। हम शहीदों के परिवारों के साथ खड़े हैं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं।

किरेन रिजिजू ने कसा तंज, कहा- मैच लाइव था, वर्ना पाकिस्तान खुद को विजेता घोषित कर देता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को दुबई में एशिया कप 2025 का खिताबी मुकाबला अपने नाम किया। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने पाकिस्तानी टीम पर तंज कसा है।

मंगलवार को इसे री-पोस्ट करते हुए किरेन रिजिजू ने लिखा, मैच टीवी पर लाइव था, अन्यथा पाकिस्तान कहता कि उन्होंने मैच जीत लिया!

उल्लेखनीय है कि भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को एशिया कप 2025 के फाइनल मैच में हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला था।

रिपोर्ट्स के अनुसार, खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम मैनेजमेंट ने अमीरात क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल जरूनी से पुरस्कार प्राप्त करने की इच्छा जताई थी, लेकिन एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।

जब नकवी मंच पर आए, तो भारतीय टीम ने उनके हाथों पुरस्कार लेने से साफ तौर पर मना कर दिया। कुछ देर बाद एशिया कप ट्रॉफी को आयोजन स्थल से हटा दिया गया।

बिहार में एसआईआर के बाद चुनाव आयोग ने जारी की फाइनल वोटर लिस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मंगलवार (30 सितंबर 2025) को अंतिम निर्वाचक सूची जारी कर दी गई है। राज्य के सभी पात्र मतदाता अब ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपने नाम की जानकारी देख सकते हैं।

चुनाव आयोग ने एक लिंक शेयर किया है, जिस पर मतदाता अपने नाम, पते और अन्य विवरण की पुष्टि कर सकते हैं। निर्वाचक सूची का प्रकाशन विधानसभा चुनावों की तैयारियों में एक अहम कदम माना जा रहा है। इससे पहले एक अगस्त को चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद पहला संशोधित वोटर लिस्ट ड्राफ्ट जारी किया था। बिहार के 243 विधानसभा क्षेत्रों के 90,817 मतदान केंद्रों के लिए तैयार मतदाता सूची का प्रारूप मान्यता राजनीतिक दलों के साथ भी शेयर किया गया था।

बता दें कि एसआईआर के पहले चरण में कुल 65,64,075 मतदाताओं के नाम हटाए गए थे। इनमें फर्जी मतदाता और मृतक मतदाता शामिल थे। साथ ही, उन लोगों के भी नाम हटाए गए थे, जिनका वोटर आईडी कार्ड किसी अन्य राज्य में बना हुआ है। हालांकि, इस पर कई नेताओं ने आपत्ति भी दर्ज कराई थी, जिस पर जमकर बहस चली थी। खासकर विपक्षी पार्टियों के नेता राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, मल्लिकार्जुन खरगे, मनोज झा समेत अन्य नेताओं ने चुनाव आयोग पर निशाना साधा था और फर्जी अवैध मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर जमकर बवाल किया था। इन सबके बीच, यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट तक भी ले जाया गया, जहां एसआईआर की प्रक्रिया में आधार कार्ड को भी एक दस्तावेज के रूप में शामिल किए जाने को लेकर अंतरिम निर्देश जारी किया गया था। अगर आप बिहार की अंतिम मतदाता सूची (**Bihar Final Voter List**) में अपना नाम दर्ज कराना चाहते हैं, तो आप इसे ऑनलाइन, मोबाइल ऐप या एसएमएस के जरिए कर सकते हैं। यह प्रक्रिया आसान है और इसके लिए केवल बुनियादी जानकारी या आपके श्वक्कढ्ढष्ट (वोटर आईडी) नंबर की आवश्यकता होती है।

चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट **https://electoralsearch.eci.gov.in** या **https://voters.eci.gov.in** पर जाएं। मतदाता सूची में खोजें पर क्लिक करें। क्लिक करने के बाद, आप अपना नाम दो तरीकों से खोज सकते हैं- अपना नाम, जन्मतिथि, राज्य (बिहार चुनें), जिला और विधानसभा क्षेत्र दर्ज करें, या दूसरा तरीका है कि आप अपना **EPIC** नंबर (अपने वोटर आईडी कार्ड से) दर्ज करें। विवरण भरने के बाद, खोजें पर क्लिक करें।

जीएसटी दर में कटौती का लाभ लोगों को मिले इसलिए हो रही निगरानी

सरकार ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर रख रही नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार शैम्पू से लेकर दालों तक दैनिक उपयोग के एफएमसीजी उत्पादों की कीमतों पर नजर रख रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती का लाभ आम लोगों तक उचित तरीके से पहुंचे। इसी कड़ी में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों की भी निगरानी की जा रही है। एक सूत्र ने मंगलवार को इस बारे में बताया

अधिकारी ने बताया कि वे इस बात पर नजर रख रहे हैं कि ये प्लेटफॉर्म मूल्य निर्धारण मानदंडों का अनुपालन कर रहे हैं या नहीं। इस बात की भी निगरानी की जा रही है कि वे कर कटौती से उपभोक्ताओं को होने वाले लाभ को रोक तो नहीं रहे हैं।

कुछ ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर बेची जा रही दैनिक आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में उचित कमी नहीं किए जाने की शिकायतों के बीच, सूत्रों ने बताया कि सरकार ने अनौपचारिक रूप से कुछ ई-कॉमर्स ऑपरेटरों को कुछ वस्तुओं पर उनके द्वारा दी जा रही कीमतों के लिए फटकार लगाई है।

सूत्र ने कहा, सरकार जीएसटी कटौती को सुचारू और वास्तविक रूप से पारित कराने के लिए ई-कॉमर्स ऑपरेटरों पर नज़र रख रही है। राजस्व विभाग इस बात पर नज़र रख रहा है कि करों में कटौती उसी अनुपात में की गई है या नहीं।

सूत्रों ने बताया कि जब जीएसटी कटौती से पहले और बाद में मूल्य निर्धारण में विसंगतियों की ओर इशारा किया गया तो ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने 'तकनीकी गड़बड़ियों' का हवाला दिया। सूत्र ने बताया, सरकार कड़ी निगरानी रख रही है।

22 सितंबर से प्रभावी, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय संरचना बन गया है। 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत की पूर्व दरों को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो दरों में मिला दिया गया है, जिससे 99 प्रतिशत दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें कम हो गई हैं। वित्त मंत्रालय ने 9 सितंबर को केंद्रीय जीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों को पत्र लिखकर 54 आम इस्तेमाल की जाने वाली वस्तुओं की कीमतों में बदलाव की मासिक रिपोर्ट पेश करने को कहा था। इन वस्तुओं के ब्रांडवार अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के तुलनात्मक विवरण वाली पहली रिपोर्ट मंगलवार तक केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर व सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) को सौंपनी होगी। 54 वस्तुओं की सूची में मक्खन, शैम्पू, टूथपेस्ट, टोमैटो केचप, जैम, आइसक्रीम, एसी, टीवी, सभी डायग्नोस्टिक किट, ग्लूकोमीटर, पट्टियां, थर्मामीटर, रबड़, क्रेयॉन और सीमेंट आदि शामिल हैं।

नोएडा में मौसम ने फिर बदला रुख, नोएडा-गाज़ियाबाद में तेज बारिश से मिली राहत

नोएडा (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम एक बार फिर करवट ले चुका है। मंगलवार सुबह से ही आसमान में काले बादलों ने डेरा जमा लिया, जिसके बाद नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में तेज बारिश शुरू हो गई। लगातार बढ़ती गर्मी और उमस से बेहाल लोगों के लिए यह बारिश किसी राहत से कम नहीं है। हालांकि, 2 अक्टूबर से बारिश में कमी आएगी और आसमान में बादल तो रहेंगे, लेकिन तेज बारिश की संभावना कम हो जाएगी। 3 और 4 अक्टूबर को मौसम आंशिक रूप से बादल वाला रहने की उम्मीद है, जबकि 5 अक्टूबर तक मुख्य रूप से साफ आसमान देखने को मिलेगा। तापमान धीरे-धीरे कम होते हुए अधिकतम 33 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री तक आ सकता है। बारिश के बाद से सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई, कई जगहों पर जलभराव के कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं दूसरी ओर, बच्चों और युवाओं ने बारिश का खूब लुत्फ उठाया। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने बारिश की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करते हुए खुशी जाहिर की। किसानों के लिए भी यह बारिश फायदेमंद साबित हो सकती है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां देर से बोई गई फसल को पानी की जरूरत थी।

रिलायंस इंफ्रा के खिलाफ महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में छापेमारी, फेमा जांच के तहत ईडी की कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को अनिल अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के खिलाफफेमा जांच के तहत महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार मुंबई और इंदौर के महू में कम से कम छह परिसरों पर छापे मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि यह तलाशी विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के खिलाफकी जा रही जांच का हिस्सा है। यह जांच विदेशों में अवैध तरीके से धन भेजने के आरोपों पर हो रही है।

ईडी पहले से ही धन शोधन के आपराधिक प्रावधानों के तहत रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर (आर इंफ्रा) समेत समूह की कंपनियों की ओर से 17,000 करोड़ रुपये से अधिक की कथित वित्तीय अनियमितताओं और सामूहिक ऋण डायवर्जन की जांच कर रहा है।

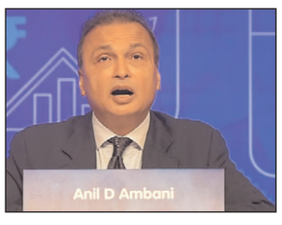

पीएमएलए के तहत एजेंसी की कार्रवाई सेबी की एक रिपोर्ट के बाद शुरू हुई। इसमें में आरोप लगाया गया था कि आर इंफ्रा ने सीएलई नामक कंपनी के जरिए रिलायंस समूह की कंपनियों को अंतर-कॉर्पोरेट जमा (आईसीडी) के रूप में धनराशि डायवर्ट की। इस मामले में यह आरोप लगे कि आर इन्फ्रा ने शेयरधारकों और ऑडिटर्स के अनुमोदन से बचने के लिए सीएलई को खुद से जुड़ा हुआ नहीं बताया।

उधर, रिलायंस समूह ने इस मामले में किसी भी गड़बड़ी से इनकार किया था और एक बयान में कहा था कि 10,000 करोड़ रुपये की राशि को किसी अज्ञात पक्ष को हस्तांतरित करने का आरोप 10 साल पुराना मामला है।

कंपनी ने अपने वित्तीय विवरणों में कहा था कि उसका जोखिम केवल 6,500 करोड़ रुपये के आसपास था। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने करीब छह महीने पहले 9 फरवरी, 2025 को इस मामले का सार्वजनिक रूप से खुलासा किया था। कंपनी ने कहा, सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की ओर से शुरू की गई अनिवार्य मध्यस्थता कार्यवाही और माननीय बॉम्बे हाईकोर्ट के समक्ष दायर मध्यस्थता अवार्ड के जरिए रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर 6,500 करोड़ रुपये के अपने 100 प्रतिशत ऋण की वसूली के लिए एक समझौते पर पहुंची। बयान के अनुसार, अंबानी तीन साल से अधिक समय (मार्च 2022) से आर इंफ्रा के बोर्ड में नहीं थे।

संक्षिप्त समाचार

लखोली में होगा 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की होगी प्रस्तुति

राजनांदगांव (समय दर्शन)। युवा संगठन लखोली के तत्वावधान में इस वर्ष भी विजयादशमी पर्व के अवसर पर रंग बिरंगे आतिशबाजी के साथ 51 फीट ऊंचे रावण पुतले का दहन किया जाएगा।

इस अवसर पर ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी।

संगठन के प्रवक्ता संतोष निर्मलकर ने बताया कि शाम पांच बजे मां शीतला मंदिर प्रांगण से प्रभु श्रीराम चंद्र की शोभा यात्रा निकाली जाएगी जो लखोली के प्रमुख मार्गों से भ्रमण करते हुए स्कूल मैदान पहुंचेगी। दशहरा महोत्सव को लेकर संगठन के युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। शहर के सबसे घनी आबादी वाले लखोली में विगत सत्रह वर्षो से आयोजित होने वाले इस महोत्सव में लखोली के पांच वार्ड सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों की संख्या में लोग कार्यक्रम का लुत्फउठाने आते हैं। उक्त जानकारी संगठन के भानु मरकाम ने एक विज्ञप्ति में दी।

ग्राम पंचायत दशपुर में सामुदायिक भवन का लोकार्पण

गरियाबंद (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत दशपुर में आज सामुदायिक भवन का लोकार्पण बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।इस अवसर पर क्षेत्र के बिंद्रानवागढ़ विधानसभा के विधायक जनक ध्रुव जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम जनपद सदस्य राकेश मुर्रा तथा ग्राम पंचायत दशपुर के सरपंच नरेंद्र कुमार ध्रुव विशेष रूप से उपस्थित रहे।इसके साथ ही ग्राम पंचायत दशपुर के उपसरपंच एवं पंचगण भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। अतिथियों ने सामुदायिक भवन का लोकार्पण कर निरीक्षण करते हुए कहा कि यह भवन ग्रामीणों की सामाजिक,सांस्कृतिक व शैक्षणिक गतिविधियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा,जहां सामाजिक कार्यक्रम के साथ ग्राम के लोगो को उठने बैठने का स्थान मिलेगा।इस अवसर पर गांव के समस्त ग्रामवासी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और उन्होंने भवन के निर्माण के लिए शासन एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनदर्शन जनता की उम्मीदें और प्रशासनिक हकीकत

मुंगेली(समय दर्शन)। जनदर्शन की वास्तविकता भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में जनता ही सर्वोच्च शक्ति है। संविधान ने आम नागरिक को अधिकार दिया है कि वह अपनी समस्याओं, मांगों और कठिनाइयों को शासन-प्रशासन के समक्ष रख सके और उसका समयबद्ध निराकरण हो। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर राज्य सरकारों ने विभिन्न जिलों में जनदर्शन जैसी योजनाओं की शुरुआत की।जनदर्शन का उद्देश्य यह है कि आम जनता सीधे जिला प्रशासन, विशेषकर कलेक्टर तक अपनी बात पहुँचा सके। गाँव-गाँव से आए लोग जब कलेक्टर के सामने अपनी समस्याएँ रखते हैं, तो उनमें कहीं न कहीं यह विश्वास झलकता है कि जिले का सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी उनकी बात सुनेगा और न्याय करेगा।

विराट नगर में हुआ नौ कुंडीय हवन,कन्यापूजन व महाभंडारा

जनजागरण दुर्गोत्सव समिति बोरसी के नवरात्रि उत्सव ने बनाई ट्विनसिटी में अलग पहचान

दुर्ग (समय दर्शन)। नवरात्र पर्व के अवसर पर विराटनगर बोरसी में जन जागरण दुर्गोत्सव समिति द्वारा 22 सितंबर से आयोजन किया गया, जिसमें देवी स्थापना की गई। एवं 9 दिनों तक भक्ति संध्या, नृत्य प्रतियोगिता,अजय शीतला परिवार अर्जुन्दा के द्वारा जस झांकी की प्रस्तुति, लोक संध्या मंडली रायपुर द्वारा पारंपरिक लोक नृत्य, गरबा प्रतियोगिता,रंगोली प्रतियोगिता,चित्रकला,मंत्रोच्चार प्रतियोगिता,सुआ नृत्य सहित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शारदीय नवरात्रि पर्व के अष्टमी तिथि मंगलवार को पूर्णाहुति हवन पूजन, कन्या पूजन एवं महा भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ो श्रद्धालुओं ने पूजन कर माता का महाप्रसाद ग्रहण किया ।जन जागरण समिति के अध्यक्ष किशोर शर्मा एवं महासचिव महावीर साहू ने बताया कि यह आयोजन पाचवें वर्ष किया गया है एवं प्रतिवर्ष श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। शुभ मुहूर्त पर यज्ञ के साथ पूर्ण आहूति और महाआरती हुआ तदुपरांत प्रसाद का वितरण किया गया। महाष्टमी पर माता की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिए वहीं कई श्रद्धालुओं ने महा अष्टमी पर्व पर प्रसाद चढ़ाया गया इसके अतिरिक्त श्रद्धालुओं के द्वारा माता के श्रींगार के विभिन्न सामग्री सहित श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद लिए ।यह सिलसिला पूरे नौ दिनों तक चलता रहा। इसी बीच शुभ मुहूर्त में आचार्य कृष्णार्जुन दुबे के सानिध्य पर माता की पूजा अर्चना एवं वैदिक मंत्रों के साथ माता की विशेष पूजा किया गया, तदुपरांत हवन हुआ और पूर्णाहुति के बाद महा आरती की गई । इस नौ दिनों के दौरान प्रतिदिन जस गीत,गरबा नृत्य किया गया इस दौरान श्रद्धालुओं की उपस्थिति बनी रही विधि-विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर हवन पूजन किया गया ।विसर्जन 2 अक्टूबर गुरुवार के दिन सुबह गाजे-बाजे के साथ किया जाएगा।समिति के सभी सदस्य निःस्वार्थ भाव से जनजागरण दुर्गोत्सव समिति बोरसी कॉलोनी के सदस्य गण माता की सेवा की एवं आयोजन को सफल बनाया गया सरक्षक-ए.डी. टंडन, डॉ.के.के.पाटिल,साजन जोसेफपोषण लाल साहू, अध्यक्ष किशोर शर्मा उपाध्यक्ष - भोले राम साहू ,भोज लाल हिरवानी, श्रीमती सुमति सिन्हा सचिव महावीर साहू सहसचिव - डी आर सिन्हा मनेन्द्र साहू कोषाध्यक्ष - विजय यादव सह कोषाध्यक्ष - राकेश साहू , खिलेश साहू, विनय गजपाल सास्कृतिक सचिव - शशि कुमार साहू सांस्कृतिक सह सचिव - खिलावन निषाद, हुमन सिंह ध्रुव सांस्कृतिक सचिव (महिला) - श्रीमती हेमलता साहू सांस्कृतिक सह सचिव -श्रीमती गायत्री हिरवानी, श्रीमती खेम साहू, श्रीमती वर्षा बंजारे, श्रीमती पूनम साहू, श्रीमती वर्षा साहू मिडिया प्रभारी- अशीष ठाकुर, अभिषेक साहू ,लंगर प्रभारी - खिलू राम साहू, सुरेश साहू, ओमप्रकाश तितरमारे ,सलाहकार एस एल. यादव सौरभ साहू,लालजी यादव,श्रीमती निर्मला यादव, श्रीमती डामिन टंडन, श्रीमती भुनेश्वरी साहू युवा प्रकोष्ठ विजय गोतम, राहूल साहू , खुशाल साहू (आयुष), प्रवीन यादव, शेलेश देवागन, संजय अष्टकर, बलराम यादव, दिनेश साहू, निखिल साहू , अक्षत ठाकुर सहित समस्त बोरसी वासियों के सहयोग मिला।

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय सीमा की बैठक

किसान पंजीयन और गिरदावरी की सूची ग्राम पंचायतों में चस्पा करें:- कलेक्टर

महासमुंद(समय दर्शन)। महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज सुबह 10 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागीय योजनाओं, विभागवार लंबित मामलों एवं कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर श्री सचिन भूतड़ा एवं रवि कुमार साहू, अनुविभागीय अधिकारी, सभी विभाग के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। वीसी के माध्यम से जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ सहित सभी ब्लॉक स्तरीय संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि अगस्त माह का जीएसटी आज ही जमा किया जाए। जिन विभागों के जीएसटी रिटर्न जमा नहीं किए गए हैं, वे तत्काल जमा करें। साथ ही उन्होंने कहा कि हर महीने की 10 तारीख के पूर्व जीएसटी जमा करना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री की घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने गढ़फुल्झर, खल्लारी में किए गए घोषणाओं के अनुरूप कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि ई-ऑफिस के अंतर्गत प्रत्येक सप्ताह मूव किए गए फाइलों की स्थिति अपडेट की जाए तथा ई-ऑफिस के अंतर्गत ही पत्राचार व्यवहार में लाई जाए। कलेक्टर ने बताया कि जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 2 से 14 अक्टूबर तक ग्राम सभाओं का आयोजन होगा। इनमें एग्रीस्टेक पंजीयन, डिजिटल क्रॉप सर्वे तथा मैन्युअल गिरदावरी की सूची अनिवार्य रूप से चस्पा कर पठन कराया जाए। यदि कोई दावा-आपत्ति मिलती है तो उसका पुनः पीवीआर ऐप से सत्यापन कर आवश्यक संशोधन किया जाएगा। इसके लिए सभी जनपद पंचायत सीईओ को निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने आदि कर्मयोगी अभियान की समीक्षा में कहा कि सभी विकासखंड एवं ग्राम नोडल अधिकारी प्रत्येक ग्राम का विलेज एक्शन प्लान अपलोड करें।

चीजगांव में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया अष्टमी पर्व

साजा (समय दर्शन)। शारदीय नवरात्र पर्व पर मंगलवार को महाष्टमी पर्व पर देवी मंदिरों, सार्वजनिक पंडालों पर मां जगदम्बा आदि शक्ति शेरावाली की पूजा-अर्चना के पश्चात् पंडितों के मंत्रोच्चारण से हवन पूर्णाहुति की गई एवं कन्या पूजन के साथ कन्या भोज का आयोजन किया गया। शीतला माता भवन चौक चीजगांव में स्थापित मां दुर्गा व स्कूल चौक में ज्ञान की देवी मां सरस्वती की महाष्टमी पर्व पर हवन-पूजन पश्चात् दोपहर 4 बजे से कन्या भोज का आयोजन दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा कराया गया। माता जस सेवा गीतों के साथ छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा झांकी का कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। दुर्गा उत्सव समिति व ग्राम प्रमुख घनश्याम साहू,पंडा हालेश्वर व गजेन्द्र मंडावी, पंडा रामप्रसाद साहू, सुखदेव साहू, सरपंच भगेला साहू व सदस्य परदेशी नेताम,तेखन मंडावी,परऊ निषाद,मेहतरू साहू, मिठ्ठू साहू,अघनू यादव,कृष्णा साहू,लोकनाथ साहू, दाताराम साहू,खेमू साहू,डेरहा साहू,अकरूल साहू,उभयराम साहू,डोंगरू साहू,सेवाराम साहू,गैंदराम साहू, बेदराम साहू,लक्ष्मण साहू, मानसिंह साहू, डॉ पीलाराम साहू, मुकेश साहू,पवन साहू, गनपत साहू, बाबूलाल साहू,शिवचरण साहू, बृजलाल साहू, जगदीश साहू, ओंकार साहू,कुमार साहू,सुनील साहू,बलराम साहू, चिंताराम साहू,नोहरसिंग साहू, कार्तिक साहू, जगमोहन साहू,कुबेर साहू, मनोज निषाद,चेतन साहू,उदयराम यादव,देवसिंग यादव,दशरू यादव, ओमप्रकाश साहू, नीलकंठ साहू,ललित नेताम, टेकराम साहू,राजा राम, तखत सेन,ईश्वर सेन समेत समिति के सभी जनसेवक व ग्राम के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पत्रकार कल्याण महासंघ के तत्वावधान में बसना में नवरात्रि मिलन व सम्मान समारोह

बसना(समय दर्शन)। पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ इकाई बसना के तत्वावधान में नगर के हृदय स्थल श्री राम जानकी मंदिर परिसर में नवरात्रि मिलन एवं पत्रकार सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। यह अवसर पत्रकारों की एकता, आपसी सौहार्द्र और संगठन की मजबूती का प्रतीक बन गया।

कार्यक्रम का संचालन उत्साह और गरिमा के साथ पत्रकार कल्याण महासंघ के जिला महासचिव अभय धृतलहरे के द्वारा किया गया।

जिसमें नगर सहित आसपास क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पत्रकारगण, बुद्धिजीवी एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रामजानकी मंदिर समिति बसना के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल, अध्यक्षता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सेवक दास दीवान ने की। रमेश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में पत्रकारों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण होते हैं। वे न केवल सूचनाओं का संचार करते हैं, बल्कि समाज को दिशा देने का कार्य भी करते हैं। पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा करना संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पत्रकार कल्याण महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सेवकदास दीवान ने कहा कि पत्रकार आज अनेक चुनौतियों के बीच कार्य कर रहे है। ऐसे में संगठनात्मक एकजुटता और पारस्परिक सहयोग ही हमारी शक्ति है। प्रदेश अध्यक्ष ने निकट भविष्य में कवि सम्मेलन आयोजित करने की घोषणा की और कहा कि यह सम्मेलन न केवल साहित्यिक अभिरुचि को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि पत्रकार समाज को नई ऊर्जा और रचनात्मक सोच से जोड़ने का भी कार्य करेगा।

इस अवसर पर श्रीराम जानकी मंदिर परिवार की ओर से पत्रकारों का पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने पत्रकारों को फूलमालाओं से अलंकृत कर सम्मानित किया। सम्मान पाकर पत्रकारों ने इसे अपने कर्तव्यनिष्ठा और समाजसेवा का प्रेरक क्षण बताया।

समारोह में मंचासीन अतिथियों में श्रीराम जानकी मंदिर के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल, महासंघ के प्रदेश सचिव ऋषिकेशन दास, मंदिर समिति के कार्य कारी अध्यक्ष अशोक जोशी, प्जिरदेश सचिव आल के दास,जिला महासचिव अभय धृतलहरे, जिला उपाध्यक्ष इब्राहिम कादरी, वरिष्ठ पत्रकार देशराज दास,बसना कार्यकारी अध्यक्ष अरुण साहू, ब्लॉक सचिव बसंत लाल साहू, मीडिया प्रभारी दीपक जगत, कोषाध्यक्ष कुंज राम यादव, प्रेम सिंह पोर्ते, हेमंत टांडी, ब्लॉक उपाध्यक्ष गोवर्धन नंदे, जीत यादव, फ्रिोज खान एवं हेमसागर साव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभा में उपस्थित सभी पत्रकारों ने संगठन की गतिविधियों को गति देने, पत्रकार हितों की रक्षा करने और एक-दूसरे के साथ सहयोग की भावना को और मजबूत करने का संकल्प लिया।

जेल में निरूध्द बंदियों के आयु सत्यापन हेतु विशेषज्ञ समिति द्वारा उपजेल बलौदाबाजार का किया गया निरीक्षण

भाटापारा (समय दर्शन)। दस्तावेजों के अभाव व अन्य किसी कारण से जेल में 18 वर्ष से कम आयु के बालकों के निरूद्ध होने की संभावना को दृष्टिगत करते हुए वर्ष 2025-26 के द्वितीय त्रैमास के लिए उपजेल बलौदाबाजार का विशेषज्ञ समिति के सदस्यों के द्वारा निरीक्षण किया गया। विशेषज्ञ समिति के सदस्यों के द्वारा 18 से 21 वर्ष आयुवर्ग के निरूद्धो हेतु निर्धारित बैरक में जाकर प्रथम दृष्टया में 18 वर्ष से कम आयु के दिख रहे बालकों से उनकी आयु के संबंध में पूछताछ की गई। एक बालक के द्वारा अपनी आयु 18 वर्ष से कम बतायी गई। समिति के सदस्यों के द्वारा बालक के आयु संबंधित दस्तावेजों का अतिशीघ्र सत्यापन कर आयु 18 वर्ष से कम होने पर बालक के प्रकरण को किशोर न्याय बोर्ड में स्थानांतरित कराए जाने का आग्रह जेल निरीक्षक से किया गया। निरीक्षण के दौरान किशोर न्याय बोर्ड बलौदाबाजार के सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण अग्रवाल, जिला बाल संरक्षण अधिकारी प्रकाश दास, विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी मेघा शर्मा एवं सामाजिक कार्यकर्ता टुकेश्वर जगत उपस्थित रहे।

माँ जगदंब उत्सव समिति द्वारा निकाली गई माता रानी की चुनरी यात्रा

आयोजन का शानदार दूसरा वर्ष

राजनांदगांव (समय दर्शन)। माँ जगदंब उत्सव समिति लक्ष्मी नगर द्वारा माता रानी की चुनरी यात्रा का आयोजन बीते 26 सितंबर शुक्रवार को किया गया। उक्त यात्रा पूर्व पार्षद गगन आईच के निवास स्थान से निकलकर साई दर्शन नगर से होते हुए माँ पाताल भैरवी मंदिर तक पहुंची थी। जहां पर माता रानी को सुनहरे लाल रँग की चुनरी पूरे श्रद्धा भाव के साथ अर्पित की गई।

माता रानी की चुनरी यात्रा में रामकृष्ण नगर वार्ड के वासियों, शहर के गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु इस पुण्य कार्य के भागी बने। उक्त चुनरी यात्रा घुमाल, ढोल - नगाड़े और भजनों के साथ पाताल भैरवी मंदिर तक पहुंची थी। माँ जगदंब उत्सव समिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने श्रद्धालुओं और गणमान्य नागरिकों का धन्यवाद ज्ञापित किया है। कार्यक्रम में माँ जगदंब उत्सव समिति के सदस्य अभिषेक शर्मा, प्रमुख अतिथि पूर्व पार्षद गगन आईच, राजा ताम्रकार, प्रतीक वैष्णव, मिहिर ठाकुर, डोमेश साहू, स्पर्श खरे, गोपी साहू, प्रतीक मिश्रा, प्रियांश गुप्ता, नवीन सोनी, गौरव यादव, राकेश सिंह राजपूत, अनुज साहू, शिव डोंगरे, पंकज यादव, दीपक भारती, कुणाल वैष्णव, मुकेश मिश्रा, शुभम यादव, अंकित यादव, दुर्गेश साहू, भावेश, अनुराग, अनिरुद्ध आईच, दर्शन शर्मा, गौरव मरकाम, अनिकेत, दिव्यांश, विनय, राजवीर सिंह राजपूत व समस्त वार्ड वासियों सहित महिलाएं, बच्चे एवं युवा शामिल रहे।

चिरायु लाभान्वित बच्चों का किया गया सम्मान

सरायपाली (समय दर्शन)। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान एक भारत सरकार की पहल है, जिसे महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से 17 सितंबर 2025 को हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोद के द्वारा शुरू किया गया इसका उद्देश्य महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण में सुधार करना है. इसी तारतम्य में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आई नागेश्वर राव के निर्देशन एवं डॉक्टर कुणाल नायक बीएमओ सरायपाली के मार्गदर्शन में चिरायु दल सरायपाली द्वारा विभिन्न स्कूलों में जाकर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनको पोषण संबंधी जानकारी एनीमिया से बचाव जंक फूड से दूर रहना बालिकाओं को माहवारी संबंधी स्वच्छता आदि के बारे में तथा बालकों को नशा मुक्ति के बारे में जानकारी दी गई चिरायु से लाभान्वित बच्चे जिनके हृदय रोग का उपचार चिरायु दल द्वारा किया गया उन बच्चियों को प्रोत्साहन करने हेतु उनसे गृह भेंट कर उनको उपहार भी दिए गए ज्ञात हो कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत चिरायु दल सभी स्कूलों एवं आंगनबाड़ियों में जाकर बच्चों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचा रहे हैं उपयुक्त कार्यक्रम में डॉ. अनुपा दाश डॉ. राजेश सिंह डॉ.जनक जेरी डॉ.जयश्री दुत्तकामणी भीष्मप्रताप राणा परमेश्वर सेन उसत पटेल एवं सुनीता साव का विशेष योगदान रहा ।

आठवें दिवस पर विभीषण शरणागति, सेतबन्ध रामेश्वरम, अंगद रावण संवाद, आरती में विभिन्न समाज हुए शामिल

वर्मा, साहू ,मानिकपुरी, जायसवाल, रजक, केशरवानी एवँ देवांगन समाज ने की आरती

भाटापारा (समय दर्शन)। आदर्श राम नाटक मंडली भाटापारा के 106 वर्ष के रामलीला मंचन में आठवें दिवस पर विभीषण शरणागति, सेतुबन्ध रामेश्वरम, अंगद रावण संवाद की जानदार लीला दिखाई गई । जिसमें रावण के द्वारा चरण प्रहार कर विभीषण को अपने राज्य से निकलने के बाद विभीषण ने भगवान की शरण में स्थान लिया, वहीं सेतबन्ध रामेश्वरम के माध्यम से रामेश्वर लिंग स्थापना का महत्व भगवान राम ने बताया और अंगद रावण संवाद की जबरदस्त लीला ने खूब तालियां बटोरी। आठवें दिन भगवान की आरती में मनवा कुर्मि क्षत्रिय समाज, साहू समाज मानिकपुरी समाज, जायसवाल समाज, वैष्णव समाज, रजक समाज, केशरवानी समाज एवं देवांगन समाज के पदाधिकारीगण एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वर्मा समाज के प्रांतीय अध्यक्ष कश्यप जी ने अपने संबोधन में रामलीला के कलाकारों के अभिनय कला को सराहा, संपूर्ण रामलीला को डिजिटल एवं हार्ड कॉपी में रखने की व्यवस्था की भूरी भूरी प्रशंसा की उन्होंने युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि प्रभु राम के चरित्र को अध्ययन करें एवं उसे आत्मसात करने का प्रयास करें। मानिकपुरी समाज के प्रतिनिधि महाबल बघेल ने आज के युवाओं से कहा कि प्रभु राम के द्वारा सम्मान अपने माता-पिता भाई गुरुजनों एवं प्रजा के प्रति कर्तव्य निभाने की सजकता को इस रामलीला के माध्यम से देखने और समझने और इसका पालन करने का प्रयास करें।

वैष्णव समाज के प्रतिनिधि अध्यक्ष श्रीमती अन्नपूर्णा वैष्णव ने कहा कि छत्तीसगढ़ मां कौशल्या की जन्मस्थली है इसलिए रामलीला और भगवान राम का महत्व और बढ़ जाता है । साहू समाज के प्रतिनिधि श्रीमती सरस्वती साहू ने कहा कि रामलीला का मंचन को देखने के पश्चात युवाओं में निश्चित रूप से बदलाव होगा और उन्हें धर्म संस्कृति के बारे में पता चलेगा, जिससे समाज का विकास होगा। जनक राम देवांगन, तिलक साहू एवं मोहन केशरवानी ने भी अपना संबोधन दिया। आरती में प्रमुख रूप से उपस्थित लोगों में दीपक टिकरिहा, हरिराम जी, खेमलाल देवांगन, प्रदीप केशरवानी, प्रवीण केशरवानी, राजेंद्र मानिकपुरी, नंदकिशोर वैष्णव, नरेंद्र वैष्णव, उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा माँ दुर्गा की महाआरती में शामिल हुए, भजन सेवा की, नवरात्र पर्व पर किया मंदिरों एवं पंडालों का दर्शन

श्रद्धा और शक्ति के प्रतीक नवरात्र में माँ दुर्गा की आराधना कर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने दिया सद्भाव का संदेश

रायपुर। नवरात्रि के पावन पर्व पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के कवर्धा और आसपास के माँ दुर्गा मंदिरों व पंडालों में पहुंचें। उन्होंने यहां विशेष पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उपमुख्यमंत्री ने महाआरती में भाग लिया, श्रृंगार सामग्री अर्पित की और सेवा मंडली के साथ माता सेवा की।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने काली मंदिर, दंतेश्वरी मंदिर, चंडी मंदिर, परमेश्वरी मंदिर और ठाकुरपारा, कुम्हारपारा, राजमहल चौक, भोरमदेव रोड एवं सकरहा घाट में स्थापित दुर्गा पंडालों का दर्शन किया। उपमुख्यमंत्री ने दुर्गा उत्सव समितियों के पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं से भेंटकर नवरात्रि की शुभकामनाएँ दीं। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने छीरपानी कॉलोनी, माँ विंध्यवासिनी मंदिर, महामाया मंदिर और जनपद पंचायत कार्यालय के पास स्थित पंडालों में भी मां दुर्गा के दर्शन किए और बच्चों की खेल प्रतियोगिता में भाग लिया।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने वीर सावरकर सभागार, कवर्धा में आयोजित कन्या पूजन एवं भोजन कार्यक्रम में भी भाग लेकर बालिकाओं का पूजन किया और उन्हें भोजन कराया। उन्होंने कहा कि कन्या पूजन नवरात्रि पर्व की आत्मा है और यह नारी शक्ति, मातृशक्ति एवं बालिकाओं के प्रति आदर-सम्मान का प्रतीक है। समाज में स्त्रियों का सम्मान और सशक्तिकरण ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि शक्ति, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का पर्व है, जो हमें माता दुर्गा के विभिन्न रूपों की आराधना कर सकारात्मक प्रेरणा देता है। उपवास, साधना, कन्या पूजन और सामूहिक भक्ति समाज में भाईचारा, सद्भाव और सेवा का संदेश फैलाते हैं। उन्होंने सभी से नवरात्रि पर्व को श्रद्धा, भक्ति और आपसी सद्भाव के साथ मनाने की अपील की और प्रदेश की खुशहाली, शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना की। इस अवसर पर श्री शर्मा ने सांसद श्री संतोष पाण्डेय, पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा, पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियराम साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष श्री चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष श्री पवन जायसवाल, जनपद अध्यक्ष श्रीमती गणपत सुषमा बघेल और जिला पंचायत सभापति श्री रामकुमार भट्ट सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

उत्साह, उमंग और सद्भावना बढ़ाने का पर्व है नवरात्रि : मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय नवरात्रि के पावन पर्व पर विगत रात्रि राजधानी रायपुर स्थित विभिन्न गरबा समारोहों में शामिल हुए। उन्होंने मातारानी का दर्शन कर प्रदेश की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर रायपुर शहर गरबा के रंग में सराबोर दिखाई दिया और हर तरफ़ उत्सव का उल्लास वातावरण में व्याप्त था।

मुख्यमंत्री श्री साय भानपुरी स्थित श्री कच्छ कड़वा पाटीदार समाज, आशीर्वाद भवन में श्री गुजराती लोहाणा महाजन समाज द्वारा आयोजित झणकारो 2025, इनडोर स्टेडियम में रंगीलो रास 2025 तथा ओमाया पार्क में रास गरबा उत्सव में सम्मिलित हुए। इन आयोजनों में समाजजनों ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक कच्छ पगड़ी पहनाकर और तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया। गरबा की धुनों और रंगारंग माहौल में मुख्यमंत्री की उपस्थिति ने जनसमूह में उत्साह और ऊर्जा का संचार किया। प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की शुभकामनाएँ देते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नवरात्रि उत्साह, उमंग और सद्भावना बढ़ाने का पर्व है। यह पर्व सामाजिक समरसता को और मजबूत करता है तथा जन-जन में ऊर्जा का संचार करता है। उन्होंने कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ में देवी को विभिन्न स्वरूपों में पूजा जाता है और मातृशक्ति के आशीर्वाद से प्रदेश निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दंतेवाड़ा में मां दंतेश्वरी, धमतरी में मां अंगारमोती एवं बिलईमाता, सरगुजा और रतनपुर में मां महामाया, डोंगरगढ़ में मां बम्लेश्वरी जैसे अनेक स्वरूपों में माता प्रदेश में विराजमान हैं। इन सभी शक्तिपीठों का आध्यात्मिक महत्व न केवल प्रदेश की आस्था को मजबूत करता है बल्कि सांस्कृतिक धरोहर के रूप में भी छत्तीसगढ़ को विशिष्ट पहचान प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि नवरात्र के प्रथम दिन ही यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने जीएसटी रिफॉर्म लागू कर देश की आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान की है। यह सुधार न केवल व्यापार को सुगम बनाएगा बल्कि उपभोक्ताओं को प्रत्यक्ष लाभ भी देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 'बचत उत्सव' के माध्यम से आम नागरिकों की जेब में पैसों की उल्लेखनीय बचत हो रही है और यह अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने लोगों से आह्वान किया कि जब भी बाजार जाएँ तो स्वदेशी वस्तुओं की खरीदी को प्राथमिकता दें। स्वदेशी से न केवल देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है बल्कि स्थानीय स्तर पर उत्पादन और स्वरोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ग्राम कुरूवा में सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण

रायपुर। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा आज कबीरधाम जिले के ग्राम कुरूवा में पहुंचे और यहाँ नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। ग्रामीणों ने उनका हार्दिक स्वागत कर उपमुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्रामीणों के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं, शिकायतों और मांगों को विस्तार से सुना। श्री शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना है और इसके लिए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने ग्रामीणों की सभी समस्याओं का नियमानुसार प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उपमुख्यमंत्री ने ग्रामीणजनों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार गाँव, गरीब, किसान और आम जनता के जीवन स्तर को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नया सामुदायिक भवन ग्रामीणों के सामाजिक, सांस्कृतिक और सार्वजनिक आयोजनों के लिए महत्वपूर्ण केन्द्र बनेगा और यह गाँव में बैठकों, कार्यक्रमों और सामूहिक गतिविधियों के लिए उपयोगी होगा। श्री शर्मा ने आगे कहा कि प्रदेश सरकार की योजनाएँ अब सीधे गाँव-गाँव तक पहुँच रही हैं, और शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई, पेयजल, कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में कबीरधाम जिले के हर गाँव को योजनाओं का लाभ मिलेगा और ग्रामीणों का जीवन स्तर और बेहतर होगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन के पदाधिकारी, स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़े उत्साहित पहाड़ी कोरवा बच्चों ने कलेक्टर से की मुलाकात

रायपुर। शिक्षा से वंचित बच्चों की पहचान कर शिक्षा के माध्यम से उन्हंव सशक्त बनाने के लिए शिक्षा का उपयोग कर पढ़ना-लिखना, स्वास्थ्य जागरूकता और जीवन कौशल सीख सकें। ज्ञान से लैस, ये बच्चे अब स्कूल जा सकते हैं और अपना भविष्य बेहतर बना सकते हैं। सरगुता जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर, शाला त्यागी बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है, जिससे बच्चे स्कूल वापस जा रहे हैं और नए कौशल सीख रहे हैं।

शिक्षा से वंचित बच्चों को मुख्यधारा में वापस लाने की दिशा में जिले में जिला प्रशासन सरगुजा की पहल सफल हो रही है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग ने विकासखंड स्तरीय समिति का गठन किया है। आज जिले के मैनपाट विकासखंड क्षेत्र के 9 पहाड़ी कोरवा बच्चों ने कलेक्टर से मुलाकात की। इस अवसर पर कलेक्टर ने बच्चों को स्कूल बैग, पेन, कॉपी और किताबें देकर बच्चों को पढ़ाई के महत्व को समझाया और उन्हे उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर ने बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करते हुए उन्हें नियमित रूप से स्कूल जाने और शिक्षा को अपने जीवन में सफलता की सीढ़ी के रूप में अपनाने को कहा।

गौरतलब है कि कलेक्टर ने सुदूर क्षेत्र के भ्रमण के दौरान जंगल में खेल रहे बच्चों से बातचीत कर जाना कि वे स्कूल नहीं जाते। इसके बाद उन्होंने शिक्षा विभाग को इस क्षेत्र में सर्वे करने के निर्देश दिए। सर्वे में 10 से 12 वर्ष की उम्र के 9 बच्चे शिक्षा से वंचित पाए गए थे, जिला प्रशासन द्वारा शिक्षा के अधिकार से वंचित हर बच्चे को मुख्यधारा में जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

25वीं राज्य स्तरीय शाला क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित जे. आर. दानी शासकीय कन्या उत्कृष्ट हिंदी माध्यमिक विद्यालय में आज 25वीं राज्य स्तरीय शाला क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह बड़े उत्साह और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। चार दिनों तक चले इस आयोजन ने राज्यभर के विद्यार्थियों की प्रतिभा को एक मंच पर प्रस्तुत किया और विद्यालय प्रांगण खेल भावना तथा ऊर्जा से गूंज उठा। राज्य के स्कूलों में 9 हजार स्मार्ट क्लास और 22 हजार कंप्यूटर लगाए जाएंगे स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने 25वीं राज्य स्तरीय शाला क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन अवसर पर राज्य के स्कूलों में 9 हजार स्मार्ट क्लास और 22 हजार कंप्यूटर लगाने की घोषणा की। मंत्री ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़ना समय की आवश्यकता है और सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठा रही है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

विद्यार्थियों को मिलेगा आधुनिक तकनीक का लाभ - स्मार्ट क्लास के माध्यम से विद्यार्थी डिजिटल कंटेंट, ई-लर्निंग मॉड्यूल, वीडियो लेक्चर और इंटरैक्टिव पढ़ाई का अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। इससे कठिन विषयों को सरल और रोचक तरीके से समझना आसान होगा। वहीं 22 हजार कंप्यूटरों की उपलब्धता से विद्यार्थियों को कंप्यूटर शिक्षा, इंटरनेट से जुड़ाव और डिजिटल स्किल विकसित करने का अवसर मिलेगा।

ग्रामीण और वनांचल अनुसूचित क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर बेहतर होगा - इस योजना से खास तौर पर ग्रामीण और वनांचल अनुसूचित क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बड़ा लाभ होगा। अब उन्हें भी शहरों जैसी आधुनिक शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। स्मार्ट क्लास और कंप्यूटर से पढ़ाई में समान अवसर मिलेंगे और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का स्तर बेहतर होगा।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद - स्मार्ट क्लास और कंप्यूटर से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे जेईई, नीट और अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं की तैयारी में मदद मिलेगी। ऑनलाइन टेस्ट, प्रश्नपत्र और अध्ययन सामग्री आसानी से उपलब्ध होगी, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी।

शिक्षक और शिक्षा व्यवस्था को भी लाभ- स्मार्ट क्लास से केवल विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि शिक्षक भी लाभान्वित होंगे। शिक्षक डिजिटल साधनों का उपयोग करके विषयों को और बेहतर ढंग से पढ़ा पाएंगे। ऑनलाइन संसाधनों की मदद से अध्यापन का स्तर ऊँचा होगा और कक्षाओं में सहभागिता बढ़ेगी।

भविष्य की ओर मजबूत कदम - श्री गजेंद्र यादव ने कहा कि यह पहल राज्य को डिजिटल एजुकेशन के क्षेत्र में नई ऊँचाई पर ले जाएगी। आने वाले समय में विद्यार्थी न केवल पढ़ाई में बल्कि तकनीक, नवाचार और कौशल विकास में भी आगे बढ़ पाएंगे। यह कदम राज्य के शिक्षा तंत्र को आधुनिक बनाने और विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

चार दिवसीय आयोजन में खेलों का रोमांच - इस प्रतियोगिता का आयोजन 27 सितम्बर से 30 सितम्बर तक किया गया। राज्य के सभी संभागों के विभिन्न जोनों से आए खिलाड़ियों ने हॉकी, फुटबॉल, बास्केटबॉल, सॉफ्ट टेनिस, रोलर स्केटिंग और साइक्लिंग जैसे खेलों में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। पूरे आयोजन के दौरान मैदान पर खिलाड़ियों का संघर्ष, अनुशासन और जीतने का जज़्बा दर्शकों के लिए प्रेरणादायी रहा।

संक्षिप्त समाचार

कैबिनेट की बैठक में अमिताभ जैन को विदाई, विकास शील को बधाई...

रायपुर। मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में मंगलवार को महानदी भवन में कैबिनेट की बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में मुख्य सचिव के पद से सेवानिवृत्त हो रहे 1989 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अमिताभ जैन को भावभीनी विदाई दी गई और नवनियुक्ति मुख्य सचिव विकास शील (भारतीय प्रशासनिक सेवा 1994 बैच) का स्वागत किया गया। आज की बैठक में मंत्रिपरिषद ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। शासकीय सेवकों की आकस्मिक वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु वित्तीय संस्थाओं के माध्यम से वेतन के विरूद्ध अल्पावधि ऋण उपलब्ध कराने के संबंध में बैंकों/वित्तीय संस्थाओं से प्रस्ताव प्राप्त करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इस संबंध में आगे की कार्यवाही के लिए वित्त विभाग को अधिकृत किया गया है। वित्त विभाग द्वारा प्रक्रिया में पात्र पाए जाने वाले बैंक/वित्तीय संस्था से सम्पादित किए जाने वाले एमओयू के प्रारूप का भी अनुमोदन किया गया। मंत्रिपरिषद द्वारा दिव्यांगजनों के हित में एक बड़ा निर्णय लेते हुए राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम (NDFDC) की बकाया ऋण राशि रूपये 24,50,05,457/- (रूपये चौबीस करोड़ पचास लाख पांच हजार चार सौ सत्तावन मात्र) एकमुश्त वापस किये जाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के द्वारा राज्य के दिव्यांगजनों को स्वरोजगार और शिक्षा हेतु न्यूनतम 3 प्रतिशत ब्याज की दर से ऋण प्रदाय किया जाता है। मंत्रिपरिषद द्वारा स्पेशल एजुकेटर के पदों पर सीधी भर्ती हेतु स्कूल शिक्षा विभाग के भर्ती एवं पदोन्नति नियम-2019 के प्रावधानों में एक बार के लिये छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया। यहां यह उल्लेखनीय है कि वित्त विभाग द्वारा शिक्षा विभाग को राज्य में 100 स्पेशल एजुकेटर की भर्ती की अनुमति दी गई है। शिक्षा विभाग के भर्ती नियम-2019 को शिथिल करते हुए स्पेशल एजुकेटर के पदों पर सीधी भर्ती चयन परीक्षा के स्थान पर एक बार मेरिट के आधार पर करने का अनुमोदन मंत्रिपरिषद ने प्रदान किया।

वीवर्क इंडिया मैनेजमेंट लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम शुक्रवार, 03 अक्टूबर, 2025 को खुलेगा

नईदिल्ली। वीवर्क इंडिया मैनेजमेंट लिमिटेड (कंपनी) अपने 10 रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों (इक्विटी शेयर) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (प्रस्ताव) शुक्रवार, 03 अक्टूबर, 2025 को खोलने का प्रस्ताव करती है। एंकर निवेशक बोली तिथि, बोली/प्रस्ताव खुलने की तिथि से एक कार्य दिवस पहले, यानी बुधवार, 01 अक्टूबर, 2025 है। बोली/प्रस्ताव बंद होने की तिथि मंगलवार, 07 अक्टूबर, 2025 है। प्रस्ताव का प्राइस बैंड 10 रुपये अंकित मूल्य के प्रति इक्विटी शेयर के लिए 615 से 648 रुपये तक तय किया गया है। 10 रुपये अंकित मूल्य के न्यूनतम 23 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 10 रुपये अंकित मूल्य के 23 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगाई जा सकती है। कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 46,296,296 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री का प्रस्ताव (ओएफएस) है। बिक्री के प्रस्ताव में एंबेसी बिल्डकॉन एलएलपी (प्रवर्तक विक्रेता शेयरधारक) द्वारा 35,402,790 इक्विटी शेयरों तक और 1 एरियल वे टेनेंट लिमिटेड (निवेशक विक्रेता शेयरधारक) द्वारा 10,893,506 इक्विटी शेयरों तक शामिल है। यह प्रस्ताव एसईबीआई आईसीडीआर विनियमों के विनियम 31 के साथ पठित एससीआरआर के नियम 19(2)(बी) के संदर्भ में किया जा रहा है। यह प्रस्ताव बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है, जो एसईबीआई आईसीडीआर विनियमों के विनियम 6(2) के अनुपालन में है, जिसके तहत शुद्ध प्रस्ताव का कम से कम 75त्न आनुपातिक आधार पर योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) को आवंटन के लिए उपलब्ध होगा (क्यूआईबी भाग)।

सुविधाजनक और पारदर्शी सेवाओं के लिए नया कदम: नया रायपुर में छत्तीसगढ़ का पहला मॉडल रजिस्ट्री कार्यालय उद्घाटित

नया रायपुर: लोकसेवा वितरण को अधिक सुलभ, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव और विजय शर्मा ने आज नया रायपुर में प्रदेश के पहले मॉडल रजिस्ट्री कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सरकार के वित्त मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी के साथ साथ अन्य मंत्री गण श्री रामविचार नेतम, श्री गुरु खुशवंत साहेब, श्री गजेंद्र यादव और श्री राजेश अग्रवाल भी उपस्थित थे और अन्य राज्य अधिकारी भी उपस्थित थे। यह आधुनिक कार्यालय भूमि और संपत्ति पंजीयन सेवाओं को एक नए स्वरूप में प्रस्तुत करेगा—जहाँ हर स्तर पर सुविधा, गति और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। बीएलएस इंटरनेशनल के संयुक्त प्रबंध निदेशक एवं चेयरमैन, बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड, श्री शिखर अग्रवाल ने कहा, "BLS इंटरनेशनल, जो तकनीकी-सक्षम नागरिक सेवाओं का वैश्विक अग्रणी है, छत्तीसगढ़ सरकार के इस दूरदर्शी पहल का हिस्सा बनकर गर्वित है। राज्य के 104 उप-पंजीयक कार्यालयों (स्त्रह) को चरणबद्ध तरीके से मॉडल स्त्रह में परिवर्तित किया जाएगा। पहले चरण में 19 मॉडल स्त्रह के डिजिटलीकरण का कार्य किया जा रहा है। विभिन्न राज्य सरकारों के साथ हमारे वर्षों के अनुभव के आधार पर हम सेवा में आसानी और दक्षता सुनिश्चित कर रहे हैं। बीएलएस इंटरनेशनल के सीओओ-टेक्नोलॉजी सर्विसेज, श्री संदीप गुप्ता ने भी सरकार को बधाई देते हुए कहा, यह पहल स्थानीय प्रशासन को वैश्विक सेवा मानकों से जोड़ते हुए शासन को सरल, तेज और अधिक जवाबदेह बनाएगी। हम छत्तीसगढ़ सरकार के साथ इस दूरदर्शी पहल में साझेदारी करने पर गर्वित हैं।

प्रत्येक मॉडल स्त्रह में निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध होंगी: अत्याधुनिक डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और बायोमेट्रिक सत्यापन प्रणाली रियल-टाइम स्टेटस अपडेट और नागरिक सुविधा काउंटर वातानुकूलित प्रतीक्षा कक्ष और टोकन-आधारित कतार प्रबंधन सीसीटीवी निगरानी, पारदर्शिता और सुरक्षा के लिए वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए अलग काउंटर पेयजल, स्वच्छता, फेटोकॉपी, प्रिंटिंग और दस्तावेज़ स्कैनिंग सुविधाएँ शिकायत निवारण काउंटर और डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड

बीएलएस इंटरनेशनल का यह सहयोग सार्वजनिक सेवाओं के प्रबंधन में जवाबदेही, पारदर्शिता और नवाचार का नया युग लेकर आएगा। यह परिवर्तन उस समय हो रहा है जब पूरे भारत में शासन मॉडल अधिकाधिक डिजिटलीकरण और नागरिक सशक्तिकरण की ओर बढ़ रहे हैं। छत्तीसगढ़ की यह पहल अन्य राज्यों को भी स्मार्ट, पारदर्शी और उत्तरदायी लोकसेवाओं को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित करेगी। नया रायपुर से लेकर छोटे ज़िलों तक, ये आधुनिक उप-पंजीयक कार्यालय सुशासन के ऐसे केंद्र बनेंगे जो भारत की डिजिटल आकांक्षाओं को पूरी तरह प्रतिबिंबित करेंगे।

संपादकीय

दूसरी या तीसरी शादी का हक नहीं

कोई मुसलमान पुरुष अपनी बीवी का भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं है, तो उसे दूसरी या तीसरी शादी करने का हक नहीं है। केरल हाई कोर्ट ने 39 साल की महिला की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह कहा। पीड़िता ने भीख मांग कर गुजारा कर रहे पति से दस हजार रुपये मासिक गुजारा भत्ता मांगा है। 46 वर्षीय नेत्रहीन पति उसे छोड़कर पहली पत्नी के साथ रह रहा है, और तीसरा निकाह करने की धमकी दे रहा है। परिवार न्यायालय ने यह कह कर याचिका ठुकरा दी थी कि जो खुद भीख मांग कर गुजर कर रहा है, उसे गुजारा भत्ता देने का निर्देश नहीं दिया जा सकता। चूंकि प्रतिवादी मुसलमान है और पारंपरिक कानून का लाभ उठा रहा है, जो पुरुषों को चार शादियों का अधिकार देता है। हालांकि इस्लाम में जो शख्स दूसरी/तीसरी बीवी का भरण-पोषण नहीं कर सकता है, वह भी प्रथागत कानून के अनुसार दोबारा निकाह नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि मुसलमानों में इस तरह की शादियां शिक्षा की कमी, धार्मिक कानूनों की जानकारी के अभाव के कारण होती हैं। कोई भी अदालत किसी मुसलमान पुरुष की दूसरी/तीसरी शादी को मान्यता नहीं दे सकती, जब वह अपनी पत्नियों के भरण-पोषण में असमर्थ हो। अदलत ने मुसलमानों के पवित्र ग्रंथ कुरान की आयतों की दलील देते हुए कहा कि बहुविवाह अपवाद है। पहली पत्नी, दूसरी, तीसरी और चौथी पत्नी को जो मुसलमान पति न्याय दे सकता है, तो एक बार से ज्यादा शादी जायज है। बेशक, मुसलमानों में बहुत छोटा सा तबका बहुविवाह करता है। इस मामले में अदालत ने भीख मांगने वाले को उचित परामर्श देने को कहा। बहुविवाह की शिकार बेसहारा पत्नियों की रक्षा करने को राज्य सरकार का कर्तव्य भी बताया। यह कहना भी गलत नहीं कहा जा सकता कि उसका पति विवाह के वक्त भी भिक्षावृत्ति ही करता रहा होगा। याचिकाकर्ता सब जानते-बूझते इस वैवाहिक बंधन में गई। तलाकयाफ्ता पत्नी का अधिकार है गुजारा-भत्ता मांगना। मगर महिलाओं को श्रम करके भी दो जून की रोटी कमाने का प्रयास करने में हिचकना नहीं चाहिए। राज्य सरकारों को निराश्रितों के खाने-जीने की सुविधा का जिम्मा उठाने की ठोस व्यवस्था करनी चाहिए। मस्जिदों, मौलवियों, समाज और न्यायपालिका को भी बहुविवाह पर उचित परामर्श देने का प्रयास करना चाहिए।

एक अतुल्यै पर्यटन स्थल के रूप में भारत का विकास

रितेश अग्रवाल

भारत की समृद्ध संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व इसे दुनिया भर के पर्यटकों के लिए एक मनपसंद पर्यटन स्थरल बनाते हैं। फिर भी, इस क्षेत्र को वर्तमान मोदी सरकार के कार्यकाल में ही वह प्राथमिकता मिली है जिसका यह हकदार है—अर्थव्यवस्था के प्रमुख चालक और सॉफ्ट पावर के एक साधन, दोनों ही रूपों में। प्रधानमंत्री मोदी ने इस क्षमता को गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए भी पहचाना था। पर्यटन भारत में अब केवल फुरसत में छुट्टियां बिताने का साधन भर नहीं रह गया है; यह रोज़गार, गौरव और विश्व मानचित्र पर भारत को स्थोपित करने का माध्यहम भी बन गया है। पिछले एक दशक के दौरान, भारत में परिवहन अवसंरचना का व्यापक विस्तार हुआ है। राजमार्ग, रेलवे और विमानन नेटवर्क उन क्षेत्रों तक पहुँच चुके हैं, जो पहले दुर्गम हुआ करते थे। स्वदेश दर्शन (विषय-आधारित पर्यटन) और प्रशाद - तीर्थयात्रा पुनरुद्धार एवं आध्यात्मिक संवर्धन अभियान - जैसी योजनाओं ने आस्था और संस्कृति के प्राचीन मार्गों को पुनर्जीवित किया है और साथ ही छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर भी पैदा किए हैं। पिछले दशक के दौरान निर्मित प्रत्येक राजमार्ग, हवाई अड्डा और तीर्थ गलियारा केवल अवसंरचना मात्र नहीं है - यह भारत की विरासत की ओर एक सेतु है। मोदी के विज़न ने अध्यात्म, स्वास्थ्य, एडवेंचर और व्यावसायिक पर्यटन पर जोर देते हुए अतुल्य भारत 2.0 में नई जान फूंक दी है। बौद्ध सर्किट, रामायण सर्किट जैसे विशेष सर्किट, वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी लाखों लोगों को आकर्षित करने वाली ऐतिहासिक परियोजनाएं हैं। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी से तबाह हो गया था, साल 2024 में 16 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों का स्वागत करने के लिए फिर से तैयार हो गया। एक दशक पहले तक यह आंकड़ा केवल 40,000 का था। महाकाल की नगरी के रूप में पुनर्जीवित उज्जैन ने साल 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों को आकर्षित किया। काशी ने 11 करोड़ तीर्थयात्रियों का स्वागत किया, जबकि बोधगया और सारनाथ ने साल 2023 में 30 लाख से अधिक साधकों को आकर्षित किया। अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के केवल छह महीनों के भीतर, 11 करोड़ से अधिक भक्तों ने दर्शन किए। महाकुंभ 2025, विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम, में 65 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए। केदारनाथ का पुनरुद्धार, काशी का कायाकल्प, और अयोध्या का पुनर्जन्म यह दर्शाता है कि किस प्रकार आस्था और अवसंरचनाएं मिलकर यात्रा को पुनर्परिभाषित कर सकते हैं। डिजिटल इंडिया और स्मार्ट सिटीज़ पर ध्यान केंद्रित करने से बुनियादी ढाँचों और पहुँच में और सुधार हुआ है। आधुनिक हवाई अड्डे, उन्नत राजमार्ग, बेहतर रेल संपर्क और निर्बाध डिजिटल बुकिंग प्रणालियों ने यात्रा को और अधिक सुविधाजनक और विश्वसनीय बना दिया है। डिजिटल ऐप्स, बहुभाषी हेल्पलाइन और अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी भले ही छोटे बदलाव लगें, लेकिन इन सबने मिलकर भारत को दुनिया के सबसे ज़्यादा यात्री-अनुकूल स्थलों में से एक बना दिया है। साथ ही, वीज़ा मानदंडों में ढील और विस्तारित ई-वीज़ा नीति ने विदेशी पर्यटकों के आगमन को उल्लेखनीय रूप से बढ़ावा दिया है। सरकार ने इको-टूरिज्म, वेलनेस टूरिज्म और एडवेंचर स्पोर्ट्स को भी बढ़ावा दिया है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि भारतीय पर्यटन का भविष्य संतुलन में है - विकास के साथ-साथ स्थायित्वी, बुनियादी ढाँचों के साथ-साथ विरासत और आधुनिकता के साथ-साथ परंपरा। जी-20 शिखर सम्मेलन जैसे उच्च-स्तरीय वैश्विक आयोजनों की भारत द्वारा मेज़बानी ने न केवल आतिथ्य सत्कार, बल्कि सांस्कृतिक गहराई को भी प्रदर्शित किया।

भीड़ हादसों और त्रासदियों का सिलसिला कब थमेगा?

ललित गर्ग

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) प्रमुख और सुपर अभिनेता से नेता बने विजय की चुनावी रैली के दौरान मची भगदड़ दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ स्तब्ध करने एवं पीड़ा देने वाली भी है। विजय की रैली में एक बार फिर भीड़ की बेकाबू उन्मत्तता ने 40 मासूम जिंदगियों को निगल लिया। सवाल उठता है कि आखिर कब तक ऐसी त्रासदियां हमारे समाज और शासन की नाकामी को उजागर करती रहेंगी? क्यों हमारी व्यवस्थाएं भीड़ को नियंत्रित करने में बार-बार विफल होती हैं और क्यों राजनीतिक दल, धार्मिक आयोजक, सिनेमा स्टार या अन्य तथाकथित 'सेलिब्रिटी' भीड़ के जमावड़े को सफलता का पैमाना मानकर उसे उकसाते हैं? भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य एवं टीवीके प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और अभिनेता से नेता बने विजय को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक एवं दर्दनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन, सत्ता एवं राजनीतिक दलों का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

अभिनेता विजय की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें दुखद एवं शर्मनाक है। इस राज्य में दशकों से विशाल राजनीतिक सभाओं की संस्कृति रही है, जिसे फिल्म और राजनीति के मेल ने पोषित किया है। सीएन अन्नादुरई, एमजी रामचंद्रन और जयललिता, सभी मुख्यमंत्री बनने से पहले फिल्मी सितारे थे। उनकी रैलियों में अक्सर लाखों लोग आते थे। स्टार पावर और राजनीति का मेल अधिकारियों के लिए भीड़ को नियंत्रित रखना मुश्किल बना देता है। तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके अभी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन इसकी रैलियों में प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि सिने स्टार को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है।

करीब तीन महीने पहले जून में बंगलूरू में आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में भी करीब एक दर्जन लोग मारे गए थे। हालांकि, शनिवार रात करूर में उमड़ी भीड़ किसी राजनीति जमावड़े से अधिक अपने सुपरस्टार को करीब से देखने के लिए बेताब प्रशंसकों की थी। इसी उन्माद में, जब एक पेड़ की डाली पर चढ़े कुछ समर्थक अभिनेता की प्रचार गाड़ी के पीछे खड़े लोगों पर गिर पड़े, तो दहशत फैल गई और रैली एक हादसे में बदल गई। इसी में करीब 40 लोगों के मरने और कइयों के घायल होने की खबरें हैं। तमिलनाडु में, 2026 में चुनाव होने हैं और टीवीके बेशक मैदान में उतरने की घोषणा कर चुकी हो, लेकिन दुर्घटना के बाद विजय जिस तरह से जल्दबाजी में चार्टर्ड फ्लाइट से चेन्नई चले गए, उससे यही साबित होता है कि अभी उन्हें राजनीति के कई सबक एवं राजनीतिक मूल्यों को सीखने हैं। क्योंकि आखिर वह अपनी जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं? टीवीके ने तीस हजार लोगों की अनुमति ली थी और इसी हिसाब से पुलिस की तैनाती भी हुई थी। लेकिन शाम होते-होते इसके दोगुने लोग अभिनेता की एक झलक पाने को मौजूद थे। निश्चित ही भीड़ कोई संगठित चेतन शक्ति नहीं होती, यह एक उन्मादी प्रवाह है जिसमें व्यक्ति की सोच, विवेक और संवेदना विलीन हो जाती है। भीड़ के सामने व्यक्ति का आत्मनियंत्रण टूट जाता है और वह हिंसक, अनुशासनहीन और खतरनाक रूप ले लेती है। यही कारण है कि क्रिकेट मैच से लेकर राजनीतिक रैली, धार्मिक आयोजन और फिल्मी सितारों की झलक तक, हर जगह भीड़ का जुनून कई बार मौत का तांडव बन जाता है। इतिहास गवाह है कि भीड़ की हिंसा ने न केवल जानें ली हैं, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी चोट पहुंचाई है। 1984 के सिख विरोधी दंगे, 1992 का बाबरी मस्जिद प्रकरण, गुजरात हिंसा, धार्मिक जुलूसों में भगदड़ या तीर्थयात्राओं में दबकर मरने वाले सैकड़ों लोग-इन सबकी जड़ में 'भीड़' है। भीड़ के भीतर छिपा हुआ सामूहिक उन्माद किसी भी क्षण हिंसा, लूट और तबाही में बदल जाता है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे एवं हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफ्वाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है।

विजय और उनके समर्थक कुछ भी कहें, वे अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। इसलिए और नहीं बच सकते, क्योंकि उन्होंने अपनी रैली में आने वाले लोगों की संख्या के बारे में भी कोई सही जानकारी नहीं दी थी। बहुत संभव है कि इसके चलते पुलिस ने भी पर्याप्त व्यवस्था न की हो। तमिलनाडु में सेलेब्रिटी स्टेटस वाले लोगों के प्रति दीवानगी कुछ ज्यादा ही है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हर त्रासदी के बाद सरकारें और पुलिस प्रशासन सिर्फ 'जांच समिति' और 'मुआवजा' देने की घोषणा करके अपने कर्तव्य से मुक्त हो जाते हैं। न तो कोई ठोस नीतियां बनती हैं, न ही आयोजकों पर कठोर जिम्मेदारी तय की जाती है।

आयोजकों की लापरवाही और प्रशासन की ढिलाई इन घटनाओं की सबसे बड़ी वजह हैं। यदि समय रहते सुरक्षा प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की सख्त व्यवस्था हो, तो ऐसी भयावह स्थितियों को टाला जा सकता है। भीड़ की त्रासदी केवल प्रशासनिक विफलता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक मनोविज्ञान का भी प्रतिबिंब है। आमजन की 'हीरो-दीवानगी' और अंधभक्ति किसी भी भीड़ को अनियंत्रित बना देती है। जब तक नागरिक चेतना में संयम और विवेक नहीं आएगा, तब तक भीड़ केवल संख्या का खेल बनी रहेगी और उसका परिणाम विनाशकारी होता रहेगा। अब वक्त आ गया है कि सरकारें भीड़ प्रबंधन को 'राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंडा' में शामिल करें। राजनीतिक दलों, धार्मिक आयोजकों और सिनेमा जगत को भीड़ जुटाने की प्रवृत्ति पर पुनर्विचार करना होगा। यह ठीक है कि करूर की घटना पर सभी ने शोक संवेदना व्यक्त की, लेकिन यदि इस घटना से कोई ठोस सबक नहीं सीखा जाता तो इन संवेदनाओं का कोई मूल्य नहीं, बल्कि ये खोखली दिखावा मात्र हैं। इसलिए यह जरूरी है कि भीड़ की हिंसा और त्रासदी को केवल 'संयोग' न माना जाए, बल्कि उसे रोकने के लिए गंभीर कदम उठाए जाएं। अन्यथा यह सिलसिला न केवल जारी रहेगा, बल्कि हर बार अधिक भयावह होता जाएगा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए।

देश में आजादी के 75 साल बाद भी मेडिकल साइंस में पीछे क्यों?

अजय दीक्षित

विकसित और यूरोपीय देशों की तुलना में भारत मेडिकल साइंस में बहुत पीछे हैं जबकि अन्य देशों की तुलना में हम सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं। भारत की तुलना में यूएस, यूरोपीय देश, सबसे आगे है।हम अपनी जनता को इलाज की जरूरत पूरी नहीं कर पाते हैं। जबकि भारत में 780 मेडिकल कॉलेज में 118000 सीट एमबीबीएस की हैं। आजादी के 78 साल बाद भी आम आदमी को सरकार की ओर से मुफ्त इलाज की सुविधा नहीं है। बड़े बड़े महानगरों में स्थापित बड़े और नामी ग्रामी अस्पताल धनाढ्य लोगों के लिए बने जो प्रतिदिन एक मरीज से पचास हजार रुपए तक बसूलते है। जबकि भारत में आम आदमी की औसत आय 15 से 20 हजार रुपए महीने है । सरकारी अस्पताल में अफरातफरी मची है और इलाज के लिए महीनों का इंतजार है और तब तक मरीज मौत के मुंह में समा जाता है।

स्टडी फॉर इंटरनेशनल मेडिकल साइंस की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया, अफ्रीका के देश मेडिकल साइंस में बहुत पीछे हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, सीरिया, लेबनान, लीबिया, और भारत में लोक स्वास्थ्य की हालत ठीक नहीं है।उसने इंग्लैंड के ग्लासको शहर को मेडिकल साइंस में अगरणीय माना है । बताया जाता है कि स्कॉटलैंड के इस शहर दवाइयां बिकती नहीं हैं बल्कि चिकित्सक के प्रिस्क्रिप्शन पर मुफ्त दी जाती हैं और यहां पर प्रत्येक नागरिक का एक आईडी है जिसमें उसके स्वास्थ्य का ब्यौरा है। बीमार होने पर एंबुलेंस लेकर जाती है और अस्पताल में भर्ती कराया जाता है और ठीक होने पर घर छोड़ा जाता है। इसका कोई व्यय नहीं होता है। भारत के बारे माना जाता है कि जब एलोपॅथी का ईजाद नहीं हुआ था तब भी हमारे धन्वंतरि नामक ऋषि ने आर्युवेद से तत्कालीन समय में बहुत बीमारियों का उपचार विकसित किया । एलोपैथी की खोज लुई पाश्चर नामक वैज्ञानिक ने की उन्होंने घोड़े की लीद से किडवान कर पेनिसिलिन नामक रक्षित द्रव्य बनाया। फिर शनै शनै तमाम यूरोपीय देशों ने दवाइयां बनाई , शल्य चिकित्सा आरंभ हुई। भारत में ब्रिटिश राज्य में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए जिनमें किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ, मद्रास, ब्रिटिश रेजिडेंसी मेडिकल कॉलेज कलकत्ता, मिंटो मेडिकल कॉलेज देहली, लेडी इरबन मेडिकल कॉलेज, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज,आदि प्रमुख थे। आजादी के बाद भारत सरकार ने 250 से अधिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल स्थापित किए।अब बढ़ाकर 780 हो चुके हैं । जवाहर लाल नेहरू ने एम्स देहली बनवाया।

भारत अब 145 करोड़ आबादी है । यूरोपीय देशों से तुलना करे तो 10000 से अधिक हॉस्पिटल होना चाहिए ।भारत में 500 से अधिक जिले और 4000 से अधिक तहसील हैं 5000 विधानसभा क्षेत्र है । आम आदमी को इलाज के लिए रिस्क कवर नहीं है ।आम आदमी को कैंसर, एम डी आर, न्यूरो तकलीफ,ब्लाइंड नेस, यूरोलॉजी, गैस्ट्रोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, आदि समस्या के निदान के लिए देहली, कोलकाता,मुंबई,चेन्नई, नागपुर, बनारस, आगरा, लखनऊ, चंडीगढ़, गोरखपुर, प्रयागराज, पुणे, ग्वालियर, इंदौर दरभंगा, पटना, बेगुसराय, सीतामढ़ी, आदि शहरों का रुख कर ना पड़ता है।

पुलिस हिरासत में मौतें पुलिस तंत्र की भयावह तस्वीर है

योगेंद्र योगी

बिहार के वैशाली में पुलिस कस्टडी में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस हिरासत में कथित मौत की यह घटना सुप्रीम कोर्ट के करीब एक सप्ताह पहले राजस्थान में ऐसी मौतों पर राज्य सरकार से जवाब तलब के बाद हुई है। यह पहला मौका नहीं है जब सुप्रीम कोर्ट ने हिरासत में मौतों को लेकर जवाब तलब किया है। इससे पहले भी ऐसी मौतों के मामले में सुप्रीम कोर्ट गाइड लाइन जारी कर चुका है। इसके बावजूद देश में लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान में पुलिस हिरासत में मौतों को लेकर स्वत: संज्ञान लिया। देशभर के थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई। जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने हिरासत में मौत को लेकर रिपोर्ट पर कहा कि 2025 में पिछले 7-8 महीनों में अकेले राजस्थान में ही पुलिस हिरासत में 11 लोगों की मौत हुई है, जबकि, 5 साल पहले सुप्रीम कोर्ट एक ऐतिहासिक फैसला सुना चुका है। इसमें हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने सभी थानों में सीसीटीवी कैमरे लगवाएं जाने के निर्देश दिए गए थे। इस रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि ऐसे मामलों में अक्सर पुलिस सीसीटीवी फुटेज देने से बचती है। इसके पीछे पुलिस की तरफसे कई तरह के कारण बताए जाते हैं, जैसे कि तकनीकी खराबी, फुटेज स्टोरेज की कमी, जांच जारी है या कानूनी प्रतिबंध। कई मामलों में तो पुलिस ने फुटेज देने से सीधे इनकार कर दिया या जानबूझकर देरी की। अदालत ने साफकहा था कि थाने का कोई भी हिस्सा निगरानी से बाहर नहीं होना चाहिए। लॉकअप से लेकर मेन गेट, कॉरिडोर, इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर के कमरे, ड्यूटी रूम और थाने का पूरा कैंपस सीसीटीवी कवरेज में होना चाहिए। साथ ही, सीबीआई, ईडी, एनआईए, एनसीबी और डीआरआई जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के दफ्तरों में भी कैमरे लगाने के आदेश दिए गए थे। इनका डेटा कम से कम एक साल तक सुरक्षित रहे। इन मामलों से यह साफ है कि सुप्रीम कोर्ट के इन निर्देशों का पालन पूरी तरह से नहीं किया गया है। कोर्ट ने इस बात पर भी चिंता जताई है कि मानवाधिकारों के उल्लंघन की समीक्षा के लिए बनाई गई केंद्रीय और राज्य स्तरीय कमेटियां भी ठीक से काम नहीं कर रही हैं।

राजस्थान में लगातार हो रही हिरासत में मौतों ने पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इन मामलों में पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध न कराना संदेह पैदा करता है। अदालत ने इस मामले में सभी संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। विधानसभा में एक सवाल के जवाब में सरकार की ओर से बताया गया कि राजस्थान में बीते दो साल में पुलिस हिरासत में 20 लोगों की मौतें हुई। लेकिन किसी भी पुलिसकर्मी या पुलिस अधिकारी को मौत का दोषी नहीं माना गया। इनमें पांच व्यक्तियों की मौत हार्ट अटैक से होना बताया गया जबकि एक व्यक्ति ने कुएं में कूदकर सुसाइड कर लिया था। दो मामलों में संतरियों को 17 सीसी के नोटिस थमाए गए हैं। शेष 14 मामलों में अभी तक मौत का कोई कारण सामने नहीं आया है। पुलिस का कहना है कि इन मामलों की जांच करवाई जा रही है। पुलिस हिरासत में मौतों की खबर भारत में जैसे बहुत आम है। लगभग रोज़ अख़बारों में जेल में या पुलिस की हिरासत में मारे जाने वालों की ख़बर छपती है। 26 जुलाई 2022 को लोकसभा में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने जानकारी दी कि 2020 से 2022 के बीच 4484 लोगों की मौत हिरासत में हुई थी। मानवाधिकार आयोग ने माना कि 2021-22 में जेलों में 2152 लोग मारे गए। इनमें 155 मौतें पुलिस हिरासत में हुई थीं। लेकिन सवाल है, देश में हिरासत में इतनी मौतें क्यों होती हैं? क्या पुलिस व्यवस्था हिरासत में या जेल काट रहे क़ैदियों के साथ अमानवीय बरताव करती है? क्या वह क़ानूनों का खयाल नहीं रखती? कॉमन कॉज के एक सर्वे के मुताबिक ज़्यादातर पुलिसवाले टॉर्चर और हिंसा को अपने काम के लिए ज़रूरी मानते हैं। 30 फ़ीसदी पुलिसवाले गंभीर मामलों में थर्ड डिग्री टॉर्चर को सही मानते हैं। जबकि 9 फ़ीसदी यहां तक मानते हैं कि छोटे-मोटे अपराधों में भी ये सही है।

प्रकाश कदम बनाम रामप्रसाद विश्वनाथ गुप्ता के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने फर्ज़ी मुठभेड़ों पर अपनी नाराजगी व्यक्त की थी। न्यायालय ने कहा कि जिन मामलों में पुलिसकर्मियों के खिलाफ फर्ज़ी मुठभेड़ साबित होती है, उन्हें दुर्लभतम मामलों में से दुर्लभतम मानते हुए मृत्युदंड दिया जाना चाहिए। पुलिसकर्मियों को चेतावनी दी गई कि उन्हें मुठभेड़ के नाम पर हत्या करने के लिए इस बहाने से माफनहीं किया जाएगा कि वे अपने वरिष्ठ अधिकारियों या राजनेताओं, चाहे वे कितने भी बड़े क्यों न हों के आदेशों का पालन कर रहे हों। डी.के. बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि यातना को संविधान या अन्य दंडात्मक कानूनों में परिभाषित नहीं किया गया है। किसी मनुष्य द्वारा दूसरे मनुष्य को दी जाने वाली यातना, मूलत: कमज़ोर पर शक्तिशाली की इच्छा को पीड़ा देकर थोपने का एक साधन है। आज यातना शब्द मानव सभ्यता के अंधकारमय पक्ष का पर्याय बन गया है। यातना और अन्य क्रूर अमानवीय एवं अपमानजनक व्यवहार या दंड के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन पर हस्ताक्षर करने वाले 170 देशों में से, भारत उन आठ देशों में से एक है जिन्होंने अभी तक इस कन्वेंशन का अनुसमर्थन नहीं किया है। अपने उद्देश्यों और कारणों के विवरण में, विधेयक में कहा गया है कि इस कन्वेंशन का अनुसमर्थन भारत सरकार की बुनियादी सार्वभौमिक मानवाधिकारों के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। विधि आयोग की 273वीं रिपोर्ट में कहा गया कि हिरासत में मौतें सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं हैं, बल्कि भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में गहरी अस्वस्थता का लक्षण हैं। संवैधानिक गारंटी, कानूनी सुरक्षा उपायों और न्यायिक घोषणाओं के बावजूद, हिरासत में यातना और दुर्व्यवहार का प्रयोग व्यापक रूप से जारी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि जहाँ किसी लोक सेवक को हिरासत में यातना देना साबित हो जाता है, वहाँ यह साबित करने का भार कि यातना जानबूझकर नहीं दी गई थी, या लोक सेवक की सहमति या सहमति से नहीं दी गई थी, लोक सेवक पर आ जाएगा। आयोग के मसौदे में हिरासत में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर मृत्युदंड या आजीवन कारावास की सज़ा का भी प्रावधान था। मसौदे में पीड़ित को मुआवज़ा देने का भी प्रावधान था। यह रिपोर्ट धूल चाट रही है। राजनीतिक दलों को ऐसे मामलों में तभी चिंता होती है, जब वे विपक्ष में होते हैं। सत्ता मे आते ही नेता गिरगिट की तरह रंग बदलने लगते हैं। केंद्र सरकार ने हाल ही में पुलिस कानूनों में सुधार किया है, किन्तु हिरासत में मौतें और प्रताडना जैसे मामलों में जिम्मेदारी तय नहीं की गई और न ही किसी तरह के मुआवजे का प्रावधान किया गया। पुलिस के खिलाफ ऐसे मामलों में जब तक कठोर कानून नहीं बनेगा, तब तक हिरासत में मौतों से देश शर्मसार होता रहेगा।

तुलसी की माला और रुद्राक्ष को एक साथ पहना जा सकता है

हिन्दू धर्म में कई तुलसी और रुद्राक्ष माला का महत्व होता है। मन को शांत रखने और जीवन में सुख-समृद्धि बनाए रखने के लिए हम कई उपाय करते हैं। वहीं हम गले में रुद्राक्ष या तुलसी की माला पहनते हैं। हालांकि कुछ लोग इसके ब्रेसलेट भी बनवाकर गले में पहनते हैं। इन दोनों ही माला को गले में धारण करने के अनेक फायदे होते हैं। वहीं यह भी कहा जाता है कि इन दोनों को एक साथ में नहीं पहनना चाहिए। तो आइये जानते हैं क्या तुलसी की माला और रुद्राक्ष को एक साथ में पहनना चाहिए या नहीं

तुलसी की माला और रुद्राक्ष को क्यों पहना जाता है

तुलसी की माला और रुद्राक्ष को हिन्दू धर्म में महत्व अधिक होता है। तुलसी के पौधे की पूजा भी की जाती है। वहीं तुलसी को मां लक्ष्मी का प्रतीक भी माना जाता है। रुद्राक्ष की माला पहनने से मन को शान्ति मिलती है। इन दोनों को पहनने के कई नियम भी होते हैं, जिनका पालन करना बेहद जरूरी होता है। मानसिक तनाव से लेकर जीवन में सुख-समृद्धि को बनाए रखने के लिए तुलसी की माला और रुद्राक्ष को धारण करना शुभ माना जाता है। रुद्राक्ष आपके शरीर में सकरात्मक उर्जा को बरकरार रखने में भी मदद करता है।

क्या है एक्सपर्ट की राय

सेलिब्रिटी एस्ट्रोलॉजर प्रदुमन सूरी के अनुसार, भगवान शिव का एक रूप होता है, जिसे हरिहर के नाम से जाना जाता है। इस रूप में भगवान नारायण और भगवान शिव दोनों हीविराजमान होते हैं। कहा जाता है कि हरिहर में इनकी छवि नजर आती है। हरिहर रूप के आधार पर आप तुलसी की माला और रुद्राक्ष को एक साथ में पहन सकते हैं। इसमें किसी भी तरह की कोई समस्या नहीं है।

कलयुग में 'धूम्रकेतु' रूप में अवतार लेंगे गणेश जी

मान्यता है कि भगवान विष्णु के कल्कि अवतार लेने के बाद कलयुग का अंत हो जाएगा। इतना ही नहीं, भगवान विष्णु के साथ-साथ भगवान गणेश का भी नए अवतार में जन्म होगा। भगवान गणेश का कलयुग में जो अवतार होगा, उसका नाम 'धूम्रकेतु होगा। वे अपनी सेना के साथ पापियों का नाश करेंगे।

धर्म ग्रंथों के अनुसार, जब-जब संसार में अन्याय और अधर्म फैलने लगा, तब-तब भगवान विष्णु ने नया अवतार लेकर धर्म की पुन- स्थापना की। इनमें से श्रीहरि का 'कल्कि अवतार' अभी होना बाकी है। इसी तरह जब पृथ्वी पर पाप, अत्याचार और अधर्म अपने चरम पर पहुंच जाएंगे, तब भगवान गणेश मनुष्यों को धर्म का मार्ग दिखाने के लिए अवतार लेंगे।

पहले भी अवतार ले चुके हैं भगवान गणेश

पुराणों के अनुसार, जब पृथ्वी पर कलयुग अपने चरम पर होगा और हर तरफ बुराई का साम्राज्य होगा, तब गणपति जी पृथ्वी पर अवतरित होंगे। इससे पहले भी भगवान गणेश कई अवतार ले चुके हैं। वे हर युग में अवतरित हुए हैं और उन्होंने दुष्टों का नाश किया है। सतयुग में वे महोत्कट विनायक के रूप में प्रकट हुए, त्रेतायुग में वे मयूरेश्वर के नाम से जाने गए और द्वापर युग में वे शिवपुत्र गजानन के नाम से जाने गए।

अन्याय का नाश करने के लिए जन्म लेंगे भगवान गणेश

गणेश पुराण में वर्णन किया गया है कि जब ब्राह्मणों का मन वेदाध्ययन की बजाय अन्य कार्यों में लगने लगेगा। जब वे तप, यज्ञ और शुभ कर्म करना बंद कर देते हैं। जब लोग बारिश न होने के कारण नदी के किनारे खेती करने लगेंगे, तब भगवान गणेश कलयुग में अवतार लेंगे। जब लोग लालच के कारण एक-दूसरे को धोखा देने से नहीं हिचकिचाएंगे।

विद्वान और धार्मिक लोग भी लोभ के कारण धन कमाने के प्रयास में मूर्ख बन जाएंगे। उनके पास जो कुछ भी है वह भी खो जायेगा। जब लोग पराई स्त्रियों पर बुरी नजर रखेंगे और ताकतवर लोग कमजोर को परेशान करेंगे, तब इस धरती से अन्याय का नाश करने के लिए भगवान गणेश का जन्म होगा। जब कलयुग में लोग धर्म का मार्ग छोड़कर अधर्म के मार्ग पर चलने लगेंगे या लोग अपने लालच को पूरा करने के लिए देवताओं की जगह आसुरी शक्तियों की पूजा करने लगेंगे।

ब्राह्मण अपने अच्छे कर्म छोड़कर लालच के कारण अपना पेट भरने लगेंगे। जब वैश्य समाज के लोग मेहनत से धन कमाने की बजाय बुरे आचरण से धन कमाने लगेंगे, स्त्रियां अपने पति की भक्ति छोड़कर पाप का मार्ग अपना लेंगी। लोग अपने माता-पिता और बड़ों का अपमान करने लगेंगे, ऐसे में भगवान गणेश को धरती पर आना होगा और अवतार लेना होगा। कलयुग में भगवान गणेश के अवतार को 'धूम्रकेतु' कहा जाएगा। भगवान गजानन इस अवतार में लोगों को ज्ञान देने और कलयुगी समाज में फैली बुराइयों को दूर करने के लिए अवतरित होंगे। यह भविष्यवाणी गणेश पुराण में की गई है।

नवरात्रि के 9 दिनों में क्या-क्या खरीदें

क्या आप जानते हैं कि नवरात्रि के पवित्र त्योहार पर ऐसी कौन-कौन-सी चीजें खरीदें जिससे सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाए। अगर नहीं तो आप भी जानिए और अवश्य खरीदें नवरात्रि में इन चीजों को.

- आरोग्य पाना चाहते हैं तो नवरात्रि के प्रथम दिन से लेकर अंतिम दिन तक कभी भी गाय का घी लाकर रखें।
- अपना घर चाहते हैं तो मिट्टी का छोटा सा घर लाकर पूजा स्थल में रखें।
- अगर विदेश यात्रा करना चाहते हैं तो 9 दिनों में कभी भी पताका (ध्वजा या परचम) खरीद कर नौ दिनों तक पूजा करें और नवमी के दिन किसी देवी मंदिर में अर्पित करें।
- आर्थिक कष्टों से मुक्ति के लिए चांदी की कोई भी शुभ सामग्री लाकर देवी को समर्पित करें।
- नौकरी में पदोन्नति चाहते हैं तो 3 नारियल लाकर पहले घर में रखें और नवमी के दिन मंदिर में चढ़ाएं।
- आकर्षण बढ़ाना चाहते हैं तो धूप, सुगंध, अगरबत्ती, रूई या चमकीली सफेद सामग्री खरीदें।
- नवरात्रि के दिन मौली खरीद कर उस पर नौ गांठ लगा कर देवी को समर्पित करें और फिर उसे सदा अपने पास रखने से हर कार्य में सफलता मिलती है।
- अपार धन संपत्ति के लिए इन नौ दिनों में किन्नर से पैसा लेकर तिजोरी या पर्स में रखें।
- सौभाग्य में वृद्धि के लिए समस्त सुहाग श्रृंगार सामग्री (कांच, काजल, कुमकुम, मंगलसूत्र, चूड़ी, कंघी, बिछिया, चुनरी) खरीदें और काली मां को नवमी के दिन चढ़ाएं।

नागकेसर पौधे की पूजा किस विधि से करनी चाहिए

हिंदू धर्म में सभी पेड़-पौधे की पूजा के बारे में विस्तार से बताया गया है। ऐसी मान्यता है कि पेड़-पौधों में देवता वास करते हैं। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं कि नागकेसर पौधे की पूजा किस विधि से करनी चाहिए।

हिंदू धर्म में पेड़-पौधों को सदियों से पवित्र माना जाता है और इनकी पूजा की जाती है। पेड़-पौधे पंचतत्वों - पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनकी पूजा करने से व्यक्ति को ग्रहदोष से छुटकारा मिल सकता है। कई पेड़ों को देवी-देवताओं का वास माना जाता है। जैसे पीपल का पेड़ भगवान विष्णु से, तुलसी का पौधा माता लक्ष्मी से और बरगद का पेड़ शिवजी से जुड़ा हुआ है। इनकी पूजा करके हम देवी-देवताओं को प्रसन्न करते हैं। बता दें, नागकेसर पौधे का संबंध भगवान शिव से है। नागकेसर पौधे की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। अब ऐसे में नागकेसर पौधे की पूजा किस विधि से करनी चाहिए और इस पेड़ की पूजा करने का महत्व है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य विस्तार से जानते हैं।

नागकेसर पौधे की पूजा कैसे करें

- नागकेसर पौधे की पूजा करने के लिए ब्रह्म मुहूर्त सबसे उत्तम माना जाता है।
- नागकेसर पौधे की पूजा करने से पहले स्नान-ध्यान करें और पूजा की तैयारी करें।
- पूजा से पहले नागकेसर के पौधे को साफ पानी से धो लें।
- पौधे को एक साफ स्थान पर रखें और उसे रोली से तिलक लगाएं।
- पौधे के सामने एक दीपक जलाएं।
- धूपबत्ती जलाएं।
- नागकेसर के फूलों को तोड़कर भगवान शिव को अर्पित करें। जल, दूध, शहद और चंदन का लेप लगाएं।
- नमः शिवाय मंत्र का जाप करें।
- भगवान शिव की आरती करें।
- आखिर में पूजा करने के बाद भगवान के चीलासी का पाठ एक आसन पर बैठकर करें।
- नागकेसर पौधे की पूजा करने का महत्व क्या है
- नागकेसर को भगवान शिव का प्रिय माना जाता है। इसलिए इसकी पूजा करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। नागकेसर की पूजा करने से मन शांत होता है। यह व्यक्ति को मानसिक शांति और स्थिरता प्रदान करता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, नागकेसर का पौधा घर में रखने से वास्तु दोष दूर होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। नागकेसर पौधे की पूजा करने से पारिवारिक शांति बनी रहती है। इसके अलावा नागकेसर पौधे की पूजा करने से व्यक्ति की कुंडली में स्थित ग्रहदोष से भी छुटकारा मिल जाता है।

शनिवार के दिन दीपक जलाने के दौरान जरूर डालें ये एक चीज, शनिदोष से मिल सकता है छुटकारा

शनिवार, हिंदू धर्म में न्याय के देवता शनिदेव को समर्पित दिन है। शनिदेव, र्यदेव के पुत्र हैं और उन्हें कर्मफलदाता के नाम से भी जाना जाता है। शनिवार का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इस दिन शनिदेव की पूजा करने से सुख-समृद्धि, आरोग्य और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

शनि की साढ़े साती के दौरान शनिवार का दिन विशेष महत्व रखता है। इस दिन शनि देव को प्रसन्न करने के लिए उपाय किए जाते हैं। अब ऐसे में किसी जातक की कुंडली में शनिदोष है, तो शनिवार के दिन संध्या के समय दीपक में तिल डालकर जलाना शुभ माना जाता है। आइए इस लेख में इस उपाय के बारे में विस्तार से जानते हैं।

शनिवार के दिन दीपक में डालें काला तिल

हिंदू धर्म में, शनिवार का दिन शनि देव को समर्पित होता है। शनि देव न्याय, कर्म और भाग्य के देवता माने जाते हैं। शास्त्रों में ऐसा कहा गया है कि शनिवार को दीपक में काला तिल डालकर जलाने से शनि देव प्रसन्न होते हैं। शनि देव की दशा, साढ़े साती या कुंडली में शनि का अशुभ प्रभाव होने पर शनिवार को दीपक में काला तिल डालकर जलाने से शनि की पीड़ा कम होती है। काले तिल में नकारात्मक ऊर्जा को सोखने की क्षमता होती है। माना जाता है कि शनिवार को दीपक में काला तिल डालकर जलाने से घर-परिवार से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मकता का संचार होता है।

शनिवार के दिन इस विधि से जलाएं दीपक

- शनिवार को सूर्यास्त के बाद स्नान करके स्वच्छ वस्त्र पहनें।
- एक दीपक लें और उसमें तिल का तेल भरें।
- दीपक में 7, 14, 21 या 28 काले तिल डालें।
- दीपक को शनि देव की प्रतिमा के सामने या घर के पूजा स्थान पर रखें।
- दीपक जलाकर शनि देव का मंत्र जाप करें या शनि चालीसा का पाठ करें।
- दीपक को पूरी तरह जलने दें।

दीपक जलाने के दौरान इन नियमों का करें पालन

दीपक का तेल तिल का तेल ही होना चाहिए। काले तिल स्वच्छ और बिना टूटे हुए होने चाहिए। दीपक को दक्षिण दिशा की ओर रखना चाहिए। दीपक को श्रद्धा भाव के साथ जलाएं। साथ ही जब तक पूरी तरह से न जल जाएं, उसे बूझने न दें। दीपक जलाने के दौरान शनिदेव के मंत्रों का जाप विशेष रूप से करें। साथ ही शनि चालीसा का पाठ करना उत्तम फलदायी साबित हो सकता है।

यूएन में जयशंकर की चाल में फंस गया पाकिस्तान

रिएक्शन में खुद को ही बता दिया आतंक का अड्डा

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त महासभा की 80वें सत्र की बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत का पक्ष रखा। संयुक्त राष्ट्र के इस सत्र को संबोधित करते हुए एस जयशंकर ने वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भारत का रुख दुनिया के सामने रखा।

इस दौरान एस जयशंकर ने आतंकवाद पोषित करने में पाकिस्तान की भूमिका, पहलगाम हमला और टेरर फंडिंग को लेकर पड़ोसी देश की जमकर आलोचना की। हालांकि, इस दौरान जयशंकर ने किसी देश का नाम नहीं लिया और कहा कि कुछ देश ऐसे भी हैं, जिनके लिए आतंकवाद स्टेट पॉलिसी बन चुका है।

विदेश मंत्री ने जैसे ही इशारों ही इशारों में पाकिस्तान की पोल खोलनी शुरू की, वैसे ही पड़ोसी मुल्क बौखला गया। अपने उत्तर देने के अधिकार का प्रयोग करते हुए पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने भारत पर पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर बदनाम करने का आरोप लगा दिया। हालांकि, सबसे हैरान करने वाली बात रही कि जयशंकर ने किसी भी देश के नाम का जिक्र नहीं किया था। बावजूद इसके पाकिस्तान उस बयान को अपने लिए समझा।

अपने संबोधन के दौरान पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने दावा किया कि भारत के आरोप झूठ दोहराने का जानबूझकर किया गया प्रयास है। पाकिस्तानी प्रतिनिधि के इस जवाब पर एस जयशंकर ने अपनी प्रतिक्रिया दी। विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान का वक्तव्य बताता है कि एक पड़ोसी देश, जिसका नाम तक नहीं लिया गया था, बावजूद इसके जवाब देने और सीमा पार आतंकवाद को लेकर अपनी लंबी समय से चली आ रही गतिविधि को स्वीकार करने का ऑप्शन चुना।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में सेकेंड सेक्रेटरी रेन्ताला श्रीनिवास ने कहा कि पाकिस्तान अपनी प्रतिष्ठा अपने आप में काफी कुछ बयां करती है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि आतंकवाद में उसकी छिपाई कई भौगोलिक क्षेत्रों में साफ दिखाई देती है। यह न सिर्फ अपने पड़ोसियों के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक खतरा है।

भारत के जवाब देने के अधिकार का उपयोग करते हुए श्रीनिवास ने कहा कि कोई भी तर्क या झूठ कभी भी आतंकवादियों के अपराधों को छुपा नहीं सकता। वहीं, इसके बाद पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने अपनी बात रखनी शुरू की, इससे पहले ही श्रीनिवास

हॉल से बाहर की ओर चले गए। जयशंकर ने कहा, भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया और आतंकवाद के आकाओं और अपराधियों को न्याय के कटघरे में खड़ा किया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत आजादी के बाद से ही आतंकवाद की चुनौती का सामना कर रहा है जबकि उसका पड़ोसी देश 'वैश्विक आतंकवाद का केंद्र' रहा है।

जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र की आम बहस को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान की सीमा पार बर्बरता का सबसे ताजा उदाहरण पहलगाम हमला है।

जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से दुनिया भर के नेताओं को संबोधित करते हुए ÷भारत की जनता की ओर से नमस्कार के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने स्पष्ट रूप से पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए कहा कि दशकों से बड़े अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी हमलों का कारण इसी एक देश को माना जाता रहा है।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा हॉल में उपस्थित लोगों की तालियों के बीच कहा, भारत आजादी के बाद से ही आतंकवाद की चुनौती का सामना कर रहा है क्योंकि उसका पड़ोसी देश वैश्विक आतंकवाद का केंद्र रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की आतंकवादियों की सूची में पाकिस्तानी नागरिक भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, पड़ोसी मुल्क की सीमा पार से हुई बर्बरता का सबसे ताजा उदाहरण इस साल अप्रैल में पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या है।

जयशंकर ने कहा, भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया और आतंकवाद के आकाओं और अपराधियों को न्याय के कटघरे में खड़ा किया।

भारत ने आगाह किया कि जो लोग आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले देशों का समर्थन करते हैं, उन्हें पता चलेगा कि यह उन्हें ही काटेगा। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी।

दिसंबर में भारत आएंगे पुतिन

लावरोव बोले- खतरे में नहीं दोनों देशों की आर्थिक साझेदारी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि भारत और रूस के बीच आर्थिक साझेदारी खतरे में नहीं है। भारतीय प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने साफ कर दिया है कि भारत अपने साझेदार खुद चुनता है। लावरोव भारत पर रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिका की ओर से संभावित द्वितीयक प्रतिबंध लगाने के सवाल का जवाब दे रहे थे।

लावरोव ने आगे कहा, यदि अमेरिका के पास भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार को समृद्ध करने के प्रस्ताव हैं, तो वे इसके लिए शर्तों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, चाहे अमेरिका जो भी शर्तें रखे। लेकिन जब बात भारत और तीसरे देशों के बीच व्यापार, निवेश, आर्थिक, सैन्य, तकनीकी और अन्य संबंधों की आती है, तो यह ऐसी चीज है जिस पर भारत केवल संबंधित देशों के साथ ही चर्चा करेगा।

हम भारत के राष्ट्रीय हितों का पूरा सम्मान करते हैं: लावरोव

भारत और रूस संबंधों पर लावरोव ने कहा, हम भारत के राष्ट्रीय हितों का पूरा सम्मान करते हैं और

पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा इन हितों को बढ़ावा देने वाली विदेश नीति का भी। हम उच्चतम स्तर पर नियमित संपर्क में रहते हैं। लावरोव ने आगे कहा, भारत और अमेरिका या भारत और किसी अन्य देश के बीच जो भी परिस्थितियां पैदा हों, उन्हें रूस-भारत संबंधों का मानदंड नहीं माना जा सकता। हमारा भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी का लंबा अनुभव है। शुरुआत में इसे रणनीतिक साझेदारी कहा गया, बाद में इसे विशेष रणनीतिक साझेदारी और अब विशेष रूप से विशेष रणनीतिक साझेदारी कहा जाता है।

दिसंबर में राष्ट्रपति पुतिन की नई दिल्ली यात्रा की योजना

लावरोव ने आगे कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन चीन में एससीओ शिखर सम्मेलन में तियानजिन में मिले थे। दिसंबर में राष्ट्रपति पुतिन की नई दिल्ली यात्रा की योजना भी बनाई जा रही है। लावरोव ने कहा, हमारे पास एक बहुत व्यापक द्विपक्षीय एजेंडा है, जिसमें व्यापार, सैन्य, तकनीकी सहयोग, वित्त, मानवीय मामले, स्वास्थ्य सेवा, उच्च तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, और निश्चित रूप से शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ), ब्रिक्स और द्विपक्षीय स्तर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घनिष्ठ समन्वय शामिल है।

इस साल रूस का दौरा करेंगे एस जयशंकर

लावरोव ने यह भी कहा कि इस साल मेरे सहयोगी सुब्रह्मण्यम जयशंकर रूस का दौरा करेंगे और मैं भारत का। उन्होंने कहा, हम नियमित रूप से संपर्क में रहते हैं। मुझे यह नहीं पूछना कि हमारे व्यापार या तेल संबंधों का क्या होगा। हमारे भारतीय सहयोगी अपने फैसले खुद करने में सक्षम हैं। मेरे सहयोगी ने कहा था, यदि अमेरिका हमें अपना तेल बेचना चाहे, तो हम उस पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। लेकिन जो हम अन्य देशों, विशेष रूप से रूस से खरीदते हैं, वह

पाकिस्तान, चीन, ईरान और रूस ने अफगानिस्तान में विदेशी एयरबेस बनाने का विरोध किया

न्यूयार्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के दौरान इन चार देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई, जिसमें अफगानिस्तान की संप्रभुता और अखंडता का सम्मान करने की अपील की गई। दरअसल, राष्ट्रपति ट्रम्प ने अफगानिस्तान से बगराम एयरबेस को अमेरिका को लौटाने की मांग की है। जिसे 2001 में 9/11 हमलों के बाद अमेरिकी सेना ने इस्तेमाल किया था। ट्रम्प ने चेतावनी दी कि अगर अफगानिस्तान ऐसा नहीं करता तो बुरे नतीजे हो सकते हैं। उन्होंने कहा था कि बगराम एयरबेस रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। यह चीन की परमाणु हथियार सुविधाओं से सिर्फ एक घंटे की दूरी पर है।

उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में बगराम को छोड़ने के फैसले को एक असफलता बताया था। हालांकि, अफगान अधिकारियों ने साफ कहा था कि वे किसी भी तरह की अमेरिकी सैन्य मौजूदगी के पक्ष में नहीं हैं। अफगान विदेश मंत्रालय के अधिकारी जाकिर जलाल ने कहा, अफगानिस्तान और अमेरिका को बातचीत करनी चाहिए, लेकिन अफगान जमीन पर अमेरिकी सैन्य उपस्थिति स्वीकार्य नहीं है।

जेन जी आंदोलन के लिए घुसपैठिए जिम्मेदार; नेपाल के पूर्व पीएम बोले- नहीं चलवाई प्रदर्शकारियों पर गोली

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल के अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने शनिवार को एक बार फिर से सार्वजनिक रूप से बयान देते हुए कहा कि उन्होंने जेन जी प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश नहीं दिया। ओली ने भक्तपुर जिले के गुंडु क्षेत्र में अपने निजी आवास पर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, प्रदर्शनकारियों पर ऑटोमेटिक बंदूकों से गोलियां चलाई गई, जो पुलिस के पास नहीं थीं, और मामले की जांच की मांग की। उन्होंने बताया कि जेन जी प्रदर्शनकारियों के नाम पर हुई आगजनी और तोड़फोड़ में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई। उन्होंने घुसपैठियों को देश की स्थिति बिगाड़ने का जिम्मेदार ठहराया। ओली ने आरोप लगाया कि जेन जी आंदोलन में घुसपैठ हुई, जिससे वास्तविक प्रदर्शनकारियों को अलग कर दिया गया। उन्होंने कहा, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि नई पीढ़ी के लोगों ने सिंघा दरबार और मुख्य सरकारी सचिवालय परिसर को आग नहीं लगाई होगी।

स्कूली छात्रा से बलात्कार के बाद बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन, अर्धसैनिक बल तैनात

ढाका, एजेंसी। पुलिस ने बताया कि शयन शील नामक एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और अदालत ने उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत पर भेजा है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश के खगराचारी जिले में आठवीं कक्षा की छात्रा से कथित सामूहिक बलात्कार की घटना के खिलाफ शनिवार को जनजातीय समुदायों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया, जिसके बाद अधिकारियों ने लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया।

प्रदर्शनकारियों में ज्यादातर चकमा जनजाति के लोग शामिल थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने "जुमा छात्र-जनता" बैनर तले टायर जलाकर और पेड़ के तनों व ईंटों से अवरोधक खड़े कर जिले के प्रवेश व आंतरिक मार्गों पर यातायात रोक दिया।

जिला प्रशासन के प्रवक्ता ने बताया, ''कानून-व्यवस्था बिगड़ने और जन-धन के नुकसान की आशंका को देखते हुए शनिवार दोपहर दो बजे से खगराचारी और आसपास के इलाकों में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लागू कर दी गई है।''

आदेश के तहत पांच से अधिक लोगों की सभा, रैली या जुलूस पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

एलपीजी टैंकर पर इजराइली ड्रोन से हमला : मंत्री

इस्लामाबाद, एजेंसी। चालक दल को 'हूती विद्रोहियों' ने छोड़ दिया है और वे यमन के जलक्षेत्र से बाहर हैं। नकवी के अनुसार, चालक दल में दो श्रीलंकाई और एक नेपाली नागरिक भी शामिल थे जबकि जहाज का कप्तान पाकिस्तानी था।

पाकिस्तान के गृह मंत्री ने शनिवार को बताया कि इस महीने की शुरुआत में एलपीजी के एक टैंकर पर एक इजराइली ड्रोन से हमला किया गया था और जहाज पर 24 पाकिस्तानी नागरिकों समेत चालक दल के 27 सदस्यों को हूती विद्रोहियों ने हिरासत में ले लिया था।

मंत्री मोहसिन नकवी ने 'एक्स' पर एक बयान में कहा कि चालक दल के सदस्यों को बाद में रिहा कर दिया गया था। नकवी ने बताया कि टैंकर को 17 सितंबर को उस

समय निशाना बनाया गया जब वह यमन के रास इस्सा बंदरगाह पर था। उन्होंने बताया कि हमले के बाद एलपीजी के एक टैंक में विस्फोट हो गया था लेकिन चालक दल आग बुझाने में कामयाब रहा था। मंत्री ने कहा, ÷बाद में हूती नौकाओं ने जहाज को रोक लिया और चालक दल के सदस्यों को जहाज पर ही बंधक बना लिया।÷ उन्होंने कहा कि चालक दल को 'हूती विद्रोहियों' ने छोड़ दिया है और वे यमन के जलक्षेत्र से बाहर हैं। नकवी के अनुसार, चालक दल में दो श्रीलंकाई और एक नेपाली नागरिक भी शामिल थे जबकि जहाज का कप्तान पाकिस्तानी था।

त्योहार के दौरान कट्टरपंथियों ने बांग्लादेशियों को बंधक बनाया, नवरात्रि पर शेख हसीना का संदेश

नई दिल्ली/ढाका, एजेंसी। हिंसक विरोध प्रदर्शनों और उसके बाद यूनुस की नियुक्ति के दौरान, बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ कथित अत्याचार हुए, जो भारत और बांग्लादेशी सरकारों के बीच टकराव का विषय बन गया।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शनिवार को देश में हिंदुओं की वर्तमान स्थिति का हवाला देते हुए मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने उम्मीद जताई कि लोग चुनौतियों का सामना करेंगे और आज़ादी हासिल करेंगे क्योंकि उन्हें षड्यंत्रकारियों और कट्टरपंथी समूहों ने बंधक बना रखा था। हसीना ने बांग्लादेश में सनातन धर्म के अनुयायियों को शारदीय नवरात्रि के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं, जिस दिन पूरे देश में दुर्गा पूजा मनाई जाती है। बांग्लादेश अवामी लीग प्रमुख को पद से हटा दिया गया और उन्हें देश छोड़कर भागना पड़ा, क्योंकि उनकी सरकार के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिसके परिणामस्वरूप नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को पिछले वर्ष अंतरिम सरकार का मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया था।

हिंसक विरोध प्रदर्शनों और उसके बाद यूनुस की नियुक्ति के दौरान, बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ कथित अत्याचार हुए, जो भारत और बांग्लादेशी सरकारों के बीच टकराव का विषय बन गया। पार्टी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर हसीना का संदेश पोस्ट किया प्यारे देशवासियों, मैं इस शारदीय अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई और प्यार देती हूँ। आज बांग्लादेश जिस गंभीर संकट से जूझ रहा है, उसके बीच अवामी लीग की यही उम्मीद है कि बांग्लादेश के लोग एक बार फिर इन चुनौतियों से पार पाकर अपनी आज़ादी हासिल करेंगे। बांग्लादेश के लोग हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हैं और खुशियाँ बाँटते रहे हैं। वे प्रेम करना और करुणा दिखाना जानते हैं। लेकिन आज, बांग्लादेश के लोग षड्यंत्रकारियों और कट्टरपंथी समूहों के हाथों बंधक बने हुए हैं। लोगों को बाँटने और देश को बर्बाद करने की चाहत रखने वाले उनके उन्मादी राजनीतिक खेल में बांग्लादेश अवामी लीग निश्चित रूप से इसका विरोध करेगी। गौरतलब है कि शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद, बांग्लादेश में चरमपंथी समूहों का हौसला और बढ़ गया।

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में मोर्टार शेल के फटने से चार किशोरों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। जान गंवाने वाले दो किशोर 18 वर्षीय थे और अन्य दो की उम्र 15 तथा 13 वर्ष थी। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को पाकिस्तानी सेना के हेलीकॉप्टरों से आपातकालीन चिकित्सा के लिए पेशावर ले जाया गया।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को एक पुराने मोर्टार शेल के फटने से कम से कम चार किशोरों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। जिला अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यह घटना अफगानिस्तान की सीमा से लगे अशांत बाजौर जिले के मामोंड तहसील के लघराई गांव में हुई। स्थानीय निवासियों ने कहा कि पीड़ित अनजाने में उपकरण के फटने से पहले उसके संपर्क में आ गए थे। जिला पुलिस अधिकारी वकास रफीक के अनुसार, शनिवार को हुए विस्फोट में जान गंवाने वाले दो किशोर 18 वर्षीय थे और अन्य दो की उम्र 15 तथा 13 वर्ष थी। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को पाकिस्तानी सेना के हेलीकॉप्टरों से आपातकालीन चिकित्सा के लिए पेशावर ले जाया गया। सुरक्षाकर्मियों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और अन्य संभावित शेल का पता लगाने और उन्हें निष्क्रिय करने के लिए तलाश अभियान शुरू किया।

सैमसंग ने भारत में बीस्पोक एआई एयर कंडीशनर्स पर गो सेव टुडे कैम्पेन की घोषणा की

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज अपने बीस्पोक एआई एयर कंडीशनर्स पर गो सेव टुडे कैम्पेन की घोषणा की है। इसमें ग्राहकों को इस त्योहारी सीजन में 21,000 रुपये तक की बचत करने का मौका मिलेगा। 'गो सेव टुडे' कैम्पेन को तीन प्रमुख स्तंभों पर बनाया गया है झ्रजीएसटी में कटौती, वारंटी के बेहतर लाभ और बिजली की बचत और यह इस फेस्टिव सीजन में ग्राहकों को बेजोड़ मूल्य देता है। गो सेव टुडे कैम्पेन के तहत, ग्राहकों को प्रीमियम बीस्पोक एआई एयर कंडीशनर्स की खरीद पर विशेष 5- 5-50 ऑफर मिलेगा। इसमें 22 सितंबर से 10 नवंबर, 2025 तक 50-दिन की अवधि में खरीदारी करने पर 5 साल की मौजूदा कॉम्प्रिहेंसिव वारंटी के अलावा 5 महीने की अतिरिक्त कॉम्प्रिहेंसिव वारंटी शामिल है। बीस्पोक एआई एयर कंडीशनर खरीदने वाले ग्राहकों को 3,800 रुपये तक की जीएसटी कटौती का फायदा, 1,500 रुपये का मुफ्त इंस्टॉलेशन और 4,000 रुपये तक का बैंक कैशबैक भी मिलेगा, जिससे यह त्योहारी सीजन में परिवारों के लिए स्मार्ट और अधिक ऊर्जा-कुशल बीस्पोक एआई एसी खरीदने का सही समय है। बीस्पोक एआई एसी खरीदने वाले ग्राहक 5 साल की कॉम्प्रिहेंसिव वारंटी के अलावा 5 महीने की अतिरिक्त वारंटी भी प्राप्त कर सकते हैं, जिसकी कीमत 12,000 रुपये तक है। जीएसटी दर में कमी के साथ, ये लाभ सैमसंग बीस्पोक एआई एयर कंडीशनर्स को पहले से कहीं अधिक सस्ता और सुलभ बनाते हैं। सैमसंग इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज के वाइस प्रेसिडेंट गुफ्रान आलम ने कहा, हम 'गो सेव टुडे' कैम्पेन के जरिये अपने ग्राहकों के साथ त्योहारों का जश्न मनाकर खुश हैं, इस ऑफर से हमारी आधुनिक तकनीक पहले से कहीं ज्यादा आसानी से उपलब्ध होगी। हमारा 5-5-50 ऑफर खास है, जो परिवारों को जीएसटी कटौती के लाभ, अतिरिक्त वारंटी, मुफ्त इंस्टॉलेशन और बैंक कैशबैक के साथ बीस्पोक एआई एयर कंडीशनर खरीदने के लिए प्रेरित करता है। हमारी बीस्पोक एआई एयर कंडीशनर रेंज रोजमर्रा के जीवन को और बेहतर बनाती है, और ये ऑफर्स स्मार्ट और एनर्जी एफिशिएंट कूलिंग को और भी आकर्षक बनाते हैं। बीस्पोक एआई विंडफ्री एयर कंडीशनर्स को आराम और दक्षता दोनों प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो शक्तिशाली कूलिंग के साथ कम बिजली खपत प्रदान करते हैं।

हीट-सैंसिटिव कलर-चेंजिंग टेक्नोलॉजी

नई दिल्ली: रेनो 14 सीरीज़ की जबरदस्त सफलता के बाद ओप्पो ने त्योहारों का उत्साह बढ़ाने के लिए रेनो 14 5G दीवाली एडिशन पेश किया है, जो कि खासतौर पर इंडिया के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें दो विशेषताएं हैं, जो स्मार्टफोन में पहली बार मिल रही हैं। पहला है एक अनोखा कल्चरल डिज़ाइन जिसमें मांडला, मोर और त्योहारों के मोटिफखूबसूरती से जुड़े हैं। दूसरी विशेषता है भारत के लिए उद्योग की पहली हीट-सैंसिटिव कलर-चेंजिंग टेक्नोलॉजी। इस इनोवेशन ने एक ऐसा अद्वितीय अनुभव पेश किया है, जो उतना ही सार्थक है, जितना जादुई। यह दीवाली की भावना के अनुरूप अंधेरे पर प्रकाश की जीत का प्रतीक पेश करता है। रेनो 14 5G दीवाली एडिशन 8GB+256GB वैरिएंट में 39,999 रुपये में उपलब्ध है। विशेष फेस्टिव ऑफर के अंतर्गत यह 36,999 रुपये में दिया जा रहा है। यह स्मार्टफोन मेनलाईन रिटेल आउटलेट्स, ओप्पो ई स्टोर, फ्लिपकार्ट और अमेज़न पर उपलब्ध है।

सस्टेनेबिलिटी पर केंद्रित कंपनी विश?वराज एनवायर्नमेंट लिमिटेड ने 2,250 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल किए

उपचारित सीवेज जल को औद्योगिक उपयोग के लिए पुनर्चक्रित करने पर ध्यान केंद्रित करने वाली, जल उपयोगिता और अपशिष्ट जल प्रबंधन परियोजनाओं की एक अग्रणी डेवलपर कंपनी, विश?वराज एनवायर्नमेंट लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में 1,250 करोड़ रुपये तक का ताज़ा इश्यू और प्रमोटर विक्रय शेयरधारक, प्रीमियर फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड द्वारा 1,000 करोड़ रुपये तक का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है। बीआरएलएम के साथ परामर्श करके, वीईएल अपने आरएचपी दाखिल करने से पहले 250 करोड़ रुपये तक का प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पर विचार कर सकती है। यदि यह किया जाता है, तो जुटाई गई राशि को ताज़ा इश्यू की राशि से कम कर दिया जाएगा। कंपनी ताज़ा इश्यू से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग अपनी सहायक कंपनियों के 545 करोड़ रुपये के ऋणों का पुनर्भुगतान या पूर्व-भुगतान करने के लिए करने की योजना बना रही है; तीन परियोजनाओं के लिए पूंजीगत व्यय (ष्ब्ंच्म्ग×) के लिए 178.5 करोड़ रुपये, 112.8 करोड़ रुपये, और 124.1 करोड़ रुपये का फंड जुटाया जाएगा। इन परियोजनाओं में 300 एमएलडी जल आपूर्ति के लिए यूएफआरओ तकनीक-आधारित उन्नत जल उपचार संयंत्र का चरण 3 बनाना, 60 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और 80 एमएलडी टर्शियरी ट्रीटमेंट आरओ प्लांट, और पीएम कुसुम योजना के तहत 30 मेगावाट (एसी) कुल सौर फोटोवोल्टिक बिजली उत्पादन समाधान शामिल है।

खबर-खास

मां जगदंब उत्सव समिति द्वारा निकाली गई माता रानी की चुनरी यात्रा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। मां जगदंब उत्सव समिति, लक्ष्मी नगर द्वारा माता रानी की चुनरी यात्रा का आयोजन बीते 26 सितंबर शुक्रवार को किया गया। उक्त यात्रा पूर्व पार्षद गगन आईच के निवास स्थान से निकलकर साई दर्शन नगर से होते हुए मां पाताल भैरवी मंदिर तक पहुंची थी, जहां पर माता रानी को सुनहरे लाल रंग की चुनरी पूरे श्रद्धा भाव के साथ अर्पित की गई। माता रानी की चुनरी यात्रा में रामकृष्ण नगर वार्ड के वासियों, शहर के गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु इस पुण्य कार्य के भागी बने।

उक्त चुनरी यात्रा घुमाल, ढोल-नगाड़े और भजनों के साथ पाताल भैरवी मंदिर तक पहुंची थी। मां जगदंब उत्सव समिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने श्रद्धालुओं और गणमान्य नागरिकों का धन्यवाद ज्ञापित किया है। कार्यक्रम में मां जगदंब उत्सव समिति के सदस्य अभिषेक शर्मा, प्रमुख अतिथि पूर्व पार्षद गगन आईच, राजा ताम्रकार, प्रतीक वैष्णव, मिहिर ठाकुर, डोमेश साहू, स्पर्श खरे, गोपी साहू, प्रतीक मिश्रा, प्रियांश गुप्ता, नवीन सोनी, गौरव यादव, राकेश सिंह राजपूत, अनुज साहू, शिव डोंगरे, पंकज यादव, दीपक भारती, कुणाल वैष्णव, मुकेश मिश्रा, शुभम यादव, अंकित यादव, दुर्गेश साहू, भावेश, अनुराग, अनिरुद्ध आईच, दर्शन शर्मा, गौरव मरकाम, अनिकेत, दिव्यांश, विनय, राजवीर सिंह राजपूत व समस्त वार्ड वासियों सहित महिलाएंए बच्चे एवं युवा शामिल रहे।

डालेंद्र कुमार देवांगन होंगे पाटन के नए विकास खंड शिक्षा अधिकारी

पाटन (समय दर्शन)। विकास खंड शिक्षा अधिकारी के रूप में जल्द ही पाटन में डालेंद्र कुमार देवांगन प्रभार लेने वाले है। उनका बीजापुर से पाटन तबादला हुआ है। अभी वर्तमान में ए बी ई ओ प्रदीप महिलागे बी ई ओ के प्रभार में थे। बता दे कि अभी वर्तमान में गजेंद्र यादव के शिक्षा मंत्री बनने के बाद कई तबादला हुए है। दुर्ग जिला में लगातार मंत्री श्री यादव दौरा भी कर रहे है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक नए बी ई ओ जल्द ही प्रभार ले सकते है।

गाडाडीह के तीन युवा बने निश्चय मित्र, टीवी मरीज को गोद लेकर पूरक पोषण आहार प्रदान किया

पाटन (समय दर्शन)। राष्ट्रीय टी वी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत टी वी मरीजों को पूरक पोषण आहार योजना के तहत पूरक पोषण आहार का वितरण किए जाने की शुरुआत आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन से की है। अक्षय मित्र योजना के तहत गोद लिया गया। जिसके तहत आगामी 6 माह तक उसे पूरक पोषण आहार दिया जाएगा।

गाडा डीह निवासी राहुल गोस्वामी, शुभम साहू, और वासु ने मंगलवारा को एक एक टी वी मरीज को गोद लेकर उसे पूरक पोषण आहार प्रदान किया। यह कार्य वे आगामी छह माह तक लगातार करेगा। सांसद प्रतिनिधि राजा पाठक ने अन्य जनप्रतिनिधियों से भी अपील किया कि वे भी अक्षय मित्र बनकर टीवी मरीज की सेवा करे। इस अवसर कर बी एम ओ डॉक्टर बी कठौतिया, , सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

मां महागौरी की पूजा-अर्चना कर भक्तों ने मांगा आशीर्वाद

महाअष्टमी पर गरियाबंद में श्रद्धा का सैलाब

मंदिरों और दुर्गा पंडालों में दिनभर गूंजे जयकारे

गरियाबंद (समय दर्शन)। शारदीय नवरात्रि की महाअष्टमी पर मंगलवार को जिलेभर के देवी मंदिरों और दुर्गा पंडालों में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। अलसुबह से ही भक्त मां के दर्शन के लिए कतारों में लग गए और देर रात तक मंदिरों में पूजा-पाठ व भजन-संकीर्तन का दौर चलता रहा।भक्तों ने मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की विधिवत पूजा-अर्चना कर हवन में आहुति दी और सुख-समृद्धि तथा कष्ट निवारण की प्रार्थना की। जिले के ऐतिहासिक शिव दुर्गा मंदिर और संतोषी मंदिर सिविल लाइन के साथ-साथ प्रसिद्ध जतमई-घटारानी, गरजई, सोनई माता, ब्रम्हनी और कचना धरुवा मंदिरों में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ रही। नगर के प्राचीन दुर्गा मंदिर में सौ से अधिक भक्तों ने सपरिवार हवन कर भोग अर्पित किया। पूरे शहर में धार्मिक उत्सव का विशेष माहौल बना रहा। मंदिरों को रंग-बिरंगी झालरों और विद्युत सज्जा से आकर्षक रूप दिया गया। सुबह से लेकर रात तक मंदिर परिसर और पंडालों में जय माता दी के जयकारे गूंजते रहे। महिलाएँ और युवतियाँ पारंपरिक वेशभूषा में उपवास रखकर मां दुर्गा चालीसा का पाठ करती रहीं। कन्या भोज का आयोजन कर नौ कन्याओं को भोजन और उपहार भेंट किए गए।

श्रद्धालुओं ने मां को लाल वस्त्र,चंदन,फूल, दीप-धूप,दही,केला,वस्त्र और भोग सामग्री अर्पित की। मंदिर समितियों ने सुरक्षा और व्यवस्था की विशेष तैयारी की थी ।शीतला मंदिर,काली मंदिर, गायत्री मंदिर सहित विभिन्न मोहल्लों के दुर्गा पंडालों में भी विधिवत हवन-पूजन हुआ ।जगह-जगह भजन मंडलियों ने भक्तिगीत प्रस्तुत किए, जिससे माहौल और अधिक भक्तिमय हो उठा। मान्यता है कि महाअष्टमी के दिन मां महागौरी की उपासना करने से भक्तों के समस्त पाप और कष्ट दूर हो जाते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि का संचार होता है।

बचत उत्सव पर उठे सवाल, अब्दुल कलाम का हमला - कहा, 'जीएसटी बना आर्थिक गुलामी का कारण'

राजनांदगांव (समय दर्शन)। केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी रिफॉर्म को 'बचत उत्सव' बताए जाने पर कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वयक एवं राजस्थान-ओडिशा प्रभारी अब्दुल कलाम ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बचत उत्सव कहना चोर की दाढ़ी में तिनका जैसी बात है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीते आठ वर्षों में जीएसटी की अनियमितताओं के चलते प्रदेश के गरीब, मध्यमवर्गीय परिवारों और किसानों से करोड़ों रुपये की वसूली की गई है।

अब्दुल कलाम ने जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स की संज्ञा देते हुए कहा कि इससे आम लोगों की जेब पर बुरा असर पड़ा है। उनकी बचत खत्म हो गई, कर्ज का बोझ बढ़ा और आर्थिक हालात चरमरा गए। कलाम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने लगातार जीएसटी के जटिल स्लैब सिस्टम में बदलाव की मांग की थी, लेकिन मोदी सरकार ने मनमानी करते हुए इसे दूसरी आजादी बताकर जनता पर थोप दिया।

कलाम ने दावा किया कि बीते आठ सालों में प्रदेश के किसानों से कृषि यंत्र, कीटनाशक, ट्रैक्टर और अन्य उपकरणों पर जीएसटी के नाम पर लगभग 6000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वसूली हुई है। साथ ही उन्होंने कहा कि गरीब व मध्यमवर्गीय परिवारों से हर माह औसतन 9 हजार रुपये की वसूली की गई, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और बिगड़ती चली गई।

उन्होंने कहा कि जीएसटी लागू होने के बाद से उद्योग व व्यापार जगत पर इसका बेहद नकारात्मक असर पड़ा है, जिससे व्यापारी आज तक उबर नहीं पाए हैं। जीएसटी विभाग पर व्यापारियों, उद्योगपतियों और ठेकेदारों को डराकर अवैध वसूली करने का भी आरोप लगाया गया।

केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी में केवल दो स्लैब होने के दावे को खारिज करते हुए अब्दुल कलाम ने कहा कि वर्तमान में भी जीएसटी में कुल छह प्रकार के स्लैब मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि 40 वस्तुओं पर जीएसटी दरें बढ़ाई गई हैं, जिनमें 17 वस्तुओं पर टैक्स 28 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि 19 वस्तुओं को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत में लाया गया है।

कलाम ने कहा कि 35 से अधिक कृषि उत्पाद अब भी जीएसटी के दायरे में हैं। सोने-चांदी पर भी तीन प्रकार के जीएसटी दरें लागू है-5 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 40 प्रतिशत। साथ ही जीरो और निल रेटेड स्लैब भी मौजूद हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि जीएसटी 2.0 में कुल 6 स्लैब लागू हैं।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार जीएसटी को लेकर भ्रम फैलाने का काम कर रही है। बचत उत्सव जैसे जुमलों से आम जनता को गुमराह किया जा रहा है, जबकि हकीकत यह है कि जीएसटी लागू होने के बाद से देश का गरीब और किसान सबसे ज्यादा आर्थिक रूप से प्रताड़ित हुआ है।

भक्ति रस में डूबा बसंतपुर, मां शारदा युवा मंच द्वारा भव्य भजन संध्या का आयोजन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। बसंतपुर वार्ड क्रमांक 46 स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में रविवार, 28 सितंबर की रात्रि मां शारदा युवा मंच द्वारा नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। आयोजक सुनील सेन एवं मंच के युवा साथियों की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी पवन डागा रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्षद जैनम बैद, पार्षद राजेश यादव, पार्षद शेखर यादव, बिट्टू गुप्ता, भरत साहू, गोलु गुप्ता, केजू राम ठाकुर, बलिराम यादव, पुनाराम यादव समेत वार्ड के प्रमुख जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत से हुई, जहां मां शारदा युवा मंच के आयोजक सुनील सेन एवं साथियों ने पुष्पहार एवं गुलाल तिलक लगाकर सभी अतिथियों का अभिनंदन किया।

भजन संध्या में संस्कारधानी के ख्यातिप्राप्त कलाकारों सनी गजभीम, शुभम यादव एवं कृति बख्शी ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीत, जसगीत, हिंदी व छत्तीसगढ़ी धार्मिक गीतों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वातावरण भक्ति रस से सराबोर हो गया और श्रद्धालु झूमते नजर आए।

कार्यक्रम का सफल संचालन राज्यपाल पुरस्कार हेतु चयनित व्याख्याता थंगेश्वर कुमार साहू ने किया। उनके सुगठित संचालन ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

मुख्य अतिथि पवन डागा एवं पार्षद जैनम बैद ने अपने उद्बोधन में मां शारदा युवा मंच की सराहना करते हुए इस प्रकार के आयोजन को सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने आयोजन समिति को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के अंत में आयोजक मंडली द्वारा कलाकारों का गुलाल तिलक कर, श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। साथ ही समस्त अतिथियों व श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की गई।

दुनिया के लिए रोल मॉडल बना भारत, बाल विवाह की दर में 69 प्रतिशत की गिरावट

कृषक सहयोग संस्थान की अहम भूमिका

कवर्धा (समय दर्शन)। भारत में बाल विवाह की दर में बेतहाशा गिरावट दर्ज की गई है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) की ओर से जारी शोध रिपोर्ट, 'टिपिंग प्वाइंट टू जीरो एविडेंस टूवार्ड्स ए चाइल्ड मैरेज फ्री इंडिया' के अनुसार देश में लड़कियों के बाल विवाह की दर में 69 प्रतिशत की गिरावट आई है। जबकि लड़कों में इस दर में 72 प्रतिशत की कमी आई है। रिपोर्ट के अनुसार बाल विवाह की रोकथाम के लिए गिरफ्तारियां व एफआईआर जैसे कानूनी उपाय सबसे प्रभावी साबित हुए हैं। रिपोर्ट बताती है कि लड़कियों की बाल विवाह की दर में सबसे ज्यादा 84 प्रतिशत गिरावट असम में दर्ज की गई है। इसके बाद संयुक्त रूप से महाराष्ट्र व बिहार (70 प्रतिशत) का स्थान है जबकि राजस्थान व कर्नाटक में क्रम से 66 और 55 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

छत्तीसगढ़ के कबीरधाम में बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए काम कर रहे जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के सहयोगी संगठन कृषक सहयोग संस्थान ने जिला प्रशासन, पंचायतों और सामुदायिक सदस्यों के साथ बेहद करीबी समन्वय से काम करते हुए पिछले तीन वर्षों में जिले में सैकड़ों बाल विवाह रुकवाए हैं। इस रिपोर्ट को जेआरसी के सहयोगी संगठन इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन की पहल पर सेंटर फॉर लीगल एक्शन एंड बिहैवियरल चेंज फॉर चिल्ड्रेन (सी-लैब) ने तैयार किया है। बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) 250 से भी ज्यादा नागरिक समाज संगठनों का देश का सबसे बड़ा नेटवर्क है। यह बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए देश के 451 जिलों में काम कर रहा है।

इस रिपोर्ट के नतीजों से उत्साहित कृषक सहयोग संस्थान के निदेशक डॉ ? एच ?बी सेन ने कहा, बाल विवाह के खात्मे के लिए अपने जिले में हम अग्रिम मोर्चे पर हैं और सरकार, प्रशासन व समुदायों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हमारा हर कदम उस भविष्य की ओर ले जाता है जहां हर बच्चे को पढ़ने की सुविधा मिले और वह बड़ा होकर वो बने जो वो बनना चाहता है। यह रिपोर्ट इस बात पर मुहर लगाती है कि शिक्षा, जागरूकता व कानूनी हस्तक्षेप 2030 तक बाल विवाह के खात्मे के लिए सबसे कारगर औजार हैं।

सर्वे में हिस्सा लेने वाले 99 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्होंने मुख्यत: गैरसरकारी संगठनों के जागरूकता अभियानों, स्कूलों व पंचायतों के जरिए भारत सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के बारे में सुना या जाना है। रिपोर्ट इस तथ्य को उजागर करती है कि 2024 में शुरू हुए भारत सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में गैरसरकारी संगठनों की सबसे अहम भूमिका रही है। रिपोर्ट की मुख्य सिफारिशों में कहा गया है कि यदि बाल विवाह को 2030 तक पूरी तरह खत्म करना है तो कानून का कड़ाई से पालन, बेहतर रिपोर्टिंग व्यवस्था, विवाह का अनिवार्य पंजीकरण और बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल के बारे में गांव-गांव तक लोगों में जागरूकता का प्रसार जरूरी है। साथ ही रिपोर्ट ने बाल विवाह मुक्त भारत के सपने को जल्द साकार करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक दिन निर्धारित करने की सिफारिश भी की है।

यह रिपोर्ट देश के पांच राज्यों के 757 गांवों से जुटाए गए आंकड़ों पर आधारित है। सर्वे के लिए इन सभी राज्यों व गांवों का इस तरह क्षेत्रवार तरीके से चयन किया गया कि वे देश के विविधता भरे सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों को परिलक्षित कर सकें। बहुचरणीय स्तरीकृत सांयोगिक नमूना (मल्टीस्टेज स्ट्रैटिफाइड रेंडम सेंपलिंग) पद्धति पर आधारित इस सर्वे में गांवों के आंकड़े जुटाने के लिए सबसे पहले आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, स्कूल शिक्षकों, सहायक नर्सों, दाइयों और पंचायत सदस्यों जैसे अग्रिम पंक्ति के लोगों से ग्राम स्तर पर आंकड़े जुटाने के लिए संपर्क किया गया।

भक्ति और उल्लास का संगम -नवरात्रि गरबा महोत्सव

नवागढ़(समय दर्शन)। राछाभाठा में संचालित राधाकृष्ण शिक्षा समिति महाविद्यालय एवं पंडित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय के द्वारा दिनांक 27 सितंबर 2025 को प्रकृति के साथ नवरात्रि थीम पर भक्ति और उल्लास का संगम -नवरात्रि गरबा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम का उद्देश्य माँ दुर्गा के नौ रूपों के प्रति श्रद्धा, भक्ति और नवरात्रि की धार्मिक भावना को जागृत करना। तथा लोकनृत्य गरबा और डांडिया के माध्यम से भारतीय परंपरा और संस्कृति का संरक्षण करते हुए युवाओं को अपनी नृत्यकला और रचनात्मकता प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करना है। इस कार्य का शुभारंभ राधाकृष्ण शिक्षा समिति महाविद्यालय के संचालक महोदया श्रीमती डॉ. अन्नपूर्णा अग्रवाल, प्राचार्य श्री डॉ.ऋत्विज तिवारी, एवं पंडित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय के संचालक डां विनोद अग्रवाल ,प्राचार्य डॉ राजेश शर्मा द्वारा मां नवदुर्गा जी के तैलचित्र पर पुष्प श्रीफल अर्पित कर किया गया। इस कार्यक्रम में पंडित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय के विज्ञान संकाय , कला संकाय एवं संगणक संकाय एवं राधा कृष्ण शिक्षा समिति महाविद्यालय के बी . एड . प्रशिक्षार्थियों के मध्य गरबा एवं नवदुर्गा प्रस्तुति प्रतियोगिता का कार्यक्रम रखा गया जिसमें सभी बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा निर्णायक संगठनों द्वारा छात्र-छात्राओं को प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार प्रदान किये गये इस कार्यक्रम में राधा कृष्ण शिक्षा समिति महाविद्यालय के बी . एड़ प्रशिक्षार्थियों को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुए

साथ ही पंडित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय के कला संकाय को प्रथम पुरस्कार एवं विज्ञान संकाय को द्वितीय पुरस्कार तथा संगणक संकाय को तृतीय पुरस्कार डां विनोद कुमार बंसल के द्वारा प्रदान किया गया साथ ही महाविद्यालय द्वारा समस्त छात्र-छात्राओं के लिए प्रसाद स्वरूप खिचड़ी की व्यवस्था की गई इस कार्यक्रम का सफल संचालन सुश्री रजनी साहू के माध्यम से हुआ । कार्यक्रम में राधा कृष्ण शिक्षा समिति नवागढ़ के प्राध्यापकगण -,सुश्री बबिता मधुकर सुश्री धनेश्वरी कुर्रे , प्रज्ञानंद कश्यप, मनोज बंजारे, सुश्री प्रगति बंजारे एवं पंडित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय के प्राध्यापकगण- तेरस दिनकर (आई क्यू ए सी प्रभारी), श्रीमति प्रीति देवांगन (कार्यक्रम प्रभारी), श्रीमती लक्ष्मीन महंत, सुश्री यशोदा शांते, आलोक चंद्रा, जोहित कश्यप, अखेंद्र , सतीश, शिवरात्रि, अनुभव साहू धनंजय आरथो राठिया, बरातु , अमन, विमल, कमल प्रसाद , सुश्री कविता , सुदर्शन, सुश्री मालती बंजारे एवं निखिल, सुश्री राम कुमारी आदि उपस्थित थे।

कोटपा एक्ट के तहत 9 प्रकरणों में की गई चालानी कार्यवाही

गरियाबंद (समय दर्शन)। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार समस्त थाना प्रभारियों को शैक्षणिक संस्थान एरिया के आसपास किसी भी तरह के तम्बाकू युक्त जर्दा गुटखा एवं सिगरेट के समान बेचने वाले किराना दुकानों व पान ठेलों पर चेकिंग कर वैधानिक कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिया गया था। जिसके परिपालन में 30 सितम्बर को थाना छुरा पुलिस टीम द्वारा छुरा क्षेत्राअंतर्गत संचालित शैक्षणिक संस्थान के आसपास तम्बाकू युक्त जर्दा गुटखा एवं सिगरेट वाला विक्रेताओं के दुकानों में सरप्राइस चेकिंग किया गया। चेकिंग के दौरान विभिन्न प्रकार के गुटखा, तम्बाकू एवं सिगरेट को शैक्षणिक संस्थान के आसपास विक्रय करने वाले 09 संचालकों पर चालानी कार्यवाही किया गया।

नाम परिवर्तन

मैं संदीप देशलहरा (**Sandeep Deshlahra**) पिता-गवतरीहा देशलहरा (**Gavatriha Deshlahra**) उम्र 55 वर्ष निवासी 34/623, वॉर्ड- 63 अवध पुरी रिसाली, रिसाली, सिविक सेंटर भिलाई, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 490006 का निवासी हूं, मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम संदीप देशलहरा (**Sandeep Deshlahra**) दर्ज है। वर्तमान में लोक निर्माण विभाग में उप अभियंता के पद पर कार्यरत हूं तथा मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम श्री शिवदास देशलहरा (**SHRI SHIVDAS DESHLAHRA**) दर्ज है। मेरे द्वारा अपना पुराना नाम संदीप देशलहरा (**Sandeep Deshlahra**) एवं श्री शिवदास देशलहरा (**SHRI SHIVDAS DESHLAHRA**) को त्याग कर अपना नया नाम संदीप देशलहरा (**Sandeep Deshlahra**) पिता गवतरीहा देशलहरा (**Gavatriha Deshlahra**) रख लिया है तथा भविष्य में मुझे मेरे नए नाम संदीप देशलहरा (**Sandeep Deshlahra**) पिता गवतरीहा देशलहरा (**Gavatriha Deshlahra**) से जाना एवं पहचाना जाता है। मेरे सभी शासकीय एवं अर्ध शासकीय दस्तावेज तथा सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम श्री शिवदास देशलहरा (**SHRI SHIVDAS DESHLAHRA**) एवं संदीप देशलहरा (**Sandeep Deshlahra**) से बदल कर संदीप देशलहरा (**Sandeep Deshlahra**) पिता गवतरीहा देशलहरा (**Gavatriha Deshlahra**) दर्ज कर पढ़े एवं समझे जाने के समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

नाम परिवर्तन

मैं अब्दुल शमीम कुरैशी (**Abdul Shamim Quraishi**) पिता- अब्दुल वहिद कुरैशी, उम्र 53 वर्ष, पता -251/1, केलाबाडी वॉर्ड न 41, नया मस्जिद के पास, सुभाष नगर दुर्ग, छत्तीसगढ़ 491001, मेरे आधार कार्ड, पैनकार्ड एवं पासपोर्ट में मेरा नाम अब्दुल शमीम कुरैशी (**Abdul Shamim Quraishi**) पिता अब्दुल वहिद कुरैशी (**Abdul Wahid Quraishi**) दर्ज है। मेरे समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम अब्दुल शमीम (**Abdul Shamim**) पिता-कुरैशी (**Abdul Wahid Quraishi**) दर्ज है। मेरे द्वारा अपना पुराना नाम अब्दुल शमीम (**Abdul Shamim**) पिता अब्दुल वहिद कुरैशी (**Abdul Wahid Quraishi**) को त्याग कर अपना नया नाम अब्दुल शमीम कुरैशी (**Abdul Shamim Quraishi**) पिता-अब्दुल वहिद कुरैशी (**Abdul Wahid Quraishi**) रख लिया है तथा भविष्य में मुझे मेरे नए नाम अब्दुल शमीम कुरैशी (**Abdul Shamim Quraishi**) पिता अब्दुल वहिद कुरैशी (**Abdul Wahid Quraishi**) से जाना एवं पहचाना जाता है।

मेरे सभी शासकीय एवं अर्धशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम अब्दुल शमीम (**Abdul Shamim**) पिता-अब्दुल वहिद कुरैशी (**Abdul Wahid Quraishi**) से बदलकर मेरा नाम अब्दुल शमीम कुरैशी (**Abdul Shamim Quraishi**) पिता अब्दुल वहिद कुरैशी (**Abdul Wahid Quraishi**) दर्ज करने तथा पढ़ा एवं समझे जाने के समर्थन में यह शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

कार्यालय नगर पालिक निगम जोन क्र. 06, रायपुर (छ.ग.)

--: निविदा आमंत्रण सूचना :--

क्रमांक 36 / न.पा.नि./ जोन क्र. 6 / 2025-26 रायपुर दिनांक 30/09/2025

नगर पालिक निगम, रायपुर जोन क्रमांक 06 द्वारा निम्न कार्य हेतु निर्धारित **SOR** (निविदा दिनांक तक संशोधित) पर लोक कर्म विभाग से पंजीकृत ठेकेदारों (ई-रजिस्ट्रेशन डी एवं उससे ऊपर) / फर्म एवं संस्था / एजेंसी से दो लिफाफा पद्धति के अनुसार (लिफाफा अ में निविदा से संबंधित आवश्यक दस्तावेज एवं ब में निविदा प्रपत्र) सील बंद निविदा पृथक-पृथक आमंत्रित की जाती है ।

(1) कार्य सरल क्र. 01 प्रथम निविदा कार्य का निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु दिनांक 16/10/2025 तक निर्धारित राशि सहित आवेदन कार्यालयी अवधि में जमा किया जा कर निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र एवं निविदा हेतु आवश्यक दस्तावेज दिनॉक 24/10/2025 तक पंजीकृत डॉक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से सायं 5:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त होना अनिवार्य है। प्राप्त निविदाये दिनॉक 27/10/2025 को सुबह 11:30 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियो के समक्ष खोली - जावेगी । निविदा आमंत्रित कार्य का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा का प्रकार	मद का नाम	आगणित राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	एस.ओ.आर	समयावधि
1.	शहीद राजीव पाण्डेय वार्ड क्रमांक 62 अंतर्गत रावणभाठा स्थित मैदान में हाई मास्ट लाईट लगाने का कार्य	प्रथम	अधोसंरचना मद	5.97	6000.00	750.00	PWD Building SOR 01.01.2015 & Electrical 2020	5 माह

कार्य के निविदा हेतु संलग्न की जाने वाली आवश्यक दस्तावेज निम्नानुसार है:-

लिफाफा अ में :-

(1) आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय अमानती राशि का एफ. डी. आर (निविदा खोलने तिथि तक वैद्य होना चाहिए) मूलप्रति । (2) प्रस्तुत दस्तावेजों की सत्यता एवं काली सूची में न होने बाबत् शपथ पत्र संलग्न करें। (3) फर्म / एजेंसी के नाम का वैद्य पंजीयन की प्रति (4) बैंक साल्वेंसी की प्रति (5) जी.एस.टी. पंजीयन की प्रति (6) 3 वर्षो का आईटीआर एवं निविदा तिथि से 3 माह पूर्व का जीएसटीआर की प्रति ।

लिफाफा ब में :- (1) निविदा प्रपत्र

शर्तें:- (1) उक्त लिफाफे रजिस्टर्ड डॉक / स्पीड पोस्ट से स्वीकार की जावेगी । (2) निविदा प्रपत्र प्राप्त करने तिथि में अवकाश होने पर आगामी तिथि को प्राप्त की जा सकती है एवं निविदा जमा करने एवं खोलने के तिथि में अवकाश हो जाने पर आगामी कार्यालयीन दिवस में कार्य संपादित की जावेगी । (3) ठेकेदार/ फर्म एवं संस्था के द्वारा अंतिम भुगतान से पूर्व जी. एस. टी. विभाग से बकाया न होने संबंधी प्रमाण पत्र (**Tax Clearance Certificate**) अथवा पूर्ण देय कर जमा किए जाने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना होगा।

(निविदा से संबंधित अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस में आकर प्राप्त की जा सकती है)

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक 06
नगर पालिक निगम, रायपुर

पुरानी गंजमंडी गंजपारा में देश के ख्याति प्राप्त कवियों ने किया बांधा समां

दुर्ग (समय दर्शन)। श्री गंजपारा दुर्गा उत्सव समिति पुरानीगंज मंडी गंजपारा दुर्ग द्वारा अपनी परंपरा के अनुरूप प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन दुर्गा धाम पुरानीगंज मंडी में किया गया समिति का या 58 वां वर्ष जिसमें देश के ख्याति प्राप्त कवियों द्वारा अपनी रचना का पाठ किया गया समिति ने कार्यक्रम के प्रारंभ में मां शारदे की पूजा अर्चना दिप प्रज्वलन की एवं छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कवि सुरेंद्र दुबे की तैल चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल , अध्यक्षता दुर्ग

ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर , संरक्षकगण संतोष रुंगटा , संजय रुंगटा ,चतुर्भुज राठी ,किशोर जैन गंजपारा समिति अध्यक्ष भाई रवि पडीआर सहित सम्मानितगण के उपस्थिति में स्वागत एवं उद्बोधन पश्चात कवि सम्मेलन संचालन के लिए संचालक कुमार मनोज ने कवि सम्मेलन का प्रारंभ कवित्री कृति चौबे जी को शारदेय वंदना के लिए आमंत्रित कर शारदेय वंदना से कवि सम्मेलन का प्रारंभ किया कवियों ने अपने काव्य पाठ में कुमार मनोज ने हुकुमतों पर शानदार मुक्तक पढ़ा जहाँ पर सत्य को सुनकर हुकूमत रूठ जाती है, वहाँ पर आम जनमानस की क़िस्मत फूट जाती है, रंगीले देश में निर्माण की जादूगरी देखो सड़क अरबों की उद्घाटन से पहले टूट जाती है, हास्य कवि दीपक शुक्ला दनादन ने राजनीति की वर्तमान स्थिति को हास्य में पढ़ा, मेरे मन की तन्हाई में इक सुंदर कन्या हुई बाधा ऐसे मेरा संयम टूटा जैसे संसद की मर्यादा, श्रृंगार की कवित्री कृति चौबे में मां गंगा के उपर शानदार रचना पढ़ लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इक नाम तेरा ही तो दिल पर, अंबर से लिखवा कर लाई, है पावन जैसे रामचरित-मानस की कोई चौपाई।

रमता जोगी जपता माला, जग भूल गया मन मतवाला उर में तू ही, सुर में तू ही, मन गाता फिरे मलंगा हूँ! तेरी प्रीत बनारस कब होगी? मैं युगों-युगों से गंगा हूँ। डाक्टर अनील चौबे हास्य व्यंग के कवि ने शानदार काव्यपाठ किया, नारी की रक्षा को गिद्ध भी युद्ध, जहाँ निज शक्ति यथा करते हैं। सेतु बना करके नल नील शुरू जहाँ सेतु प्रथा करते हैं॥ औषधि ला हनुमान जहाँ, रघुवीर की दूर व्यथा करते हैं। धन्य है भारत देश जहाँ पर काग भी रामकथा करते हैं॥ विररस के कवि ने अपनी औजपूर्ण कविताओं से श्रोताओं के रोंगटे खड़े कर दिए।

संक्षिप्त-खबर

कवर्धा जिला किसान कांग्रेस की कमान अब रवि चंद्रवंशी को

कवर्धा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस द्वारा कांग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है। इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान कांग्रेस ने 20 जिलाअध्यक्षों की नियुक्ति की है, जिसमें कवर्धा जिला किसान कांग्रेस की कमान युवा किसान नेता रवि चंद्रवंशी को देते हुए जिला अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति की गई गई है। कवर्धा जिला किसान कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद श्री चंद्रवंशी ने कहा कि पूरे जिले के किसानों के अधिकारों के लिए मेरा संघर्ष जारी रहेगा। किसान हित मे एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाते हुए सड़क की लड़ाई लड़ते रहेंगे। वर्तमान समय में गन्ना उत्पादक किसानों को सबसे ज्यादा समस्या है। किसानों के हित में जल्द ही एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिससे भाजपा सरकार की कुंभकर्णी नींद खुलने की उम्मीद है। श्री चंद्रवंशी ने किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष की जवाबदारी मिलने कांग्रेस के सभी शीर्ष नेतृत्व को धन्यवाद ज्ञापित किया है। प्रमुख रूप से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर, किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, डीसीसी अध्यक्ष होरी साहू, पूर्व विधायक श्रीमती ममता चंद्राकर सहित जिले के सभी कांग्रेसजनो को धन्यवाद ज्ञापित किया।

विद्यालय को दस पाम के पौधे भेट

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। एक पेड़ मां के नाम तर्ज पर शास उच्च माध्य विद्यालय मेड़ेसरा में विधायक अहिवारा डोमन लाल कोर्सेवाडा के द्वारा शाला परिसर में वृक्ष लगाकर प्रकृति के परोपकार के लिए आभार व्यक्त किया गया। इसके लिए जनपद अध्यक्ष धमधा लीमन साहू के द्वारा विद्यालय को दस पाम के पौधे भेट किए गए। इस अवसर पर ग्राम पंचायत मेड़ेसरा श्रीमती राजेश्वरी विनोद लहरें, उपसरपंच श्रीमती विनिशा वर्मा, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष देवेंद्र कश्यप,सदस्य विनोद लहरें, अतिथि श्री बारले एवं समस्त शाला परिवार और विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्राचार्य एवं शाला परिवार के द्वारा विधायक जी को शाला की मूलभूत आवश्यकता के लिए मांग पत्र भी प्रेषित किया जिसे विधायक जी ने पूरा करने का आश्वासन दिया।

50 लाख रुपए का धान घोटाला, ग्रामीणों ने दी चक्का जाम की चेतावनी

पिथौरा(समय दर्शन)। महासमुंद जिले के पिथौरा विकासखण्ड अंतर्गत सागुनढाप सहकारी समिति के धान खरीदी केंद्र में लगभग 50 लाख रुपए के घोटाले का खुलासा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2024-25 की खरीदी में प्रभारी मथामणि बढ़ाई व हरिलाल साव पर 1514.40 क्विंटल धान (लगभग 50 लाख रुपए) का गबन करने का आरोप लगा है। 20 सितंबर को समिति की बैठक में सभी कर्मचारियों से पूछताछ की गई, जिसमें धान राशि अधिकृत खाते में न जाकर निजी खातों में ट्रांसफर होने की पुष्टि हुई। इस मामले में समिति सदस्यों और किसानों ने उपपंजीयक महासमुंद व कलेक्टर महासमुंद शिकायत की है और कड़ी नाराज़गी जताते हुए दोषियों पर तुरंत कार्रवाई की माँग की है। मांग पूरी ना होने पर चक्का जाम तथा आगामी धान खरीदी का किसानों द्वारा बहिष्कार किया जाएगा। किसानों में इतना रोष कि उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि यदि आगामी दिनों में कार्रवाई नहीं हुई तो 6 अक्टूबर को राष्ट्रीय राजमार्ग ह॥-53 पर चक्का जाम किया जाएगा।

आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त 04 आरोपियों को किया गया जिलाबदर

मुंगेली(समय दर्शन)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कुन्दन कुमार ने आदेश जारी कर दीपक साहू, पिता चन्द्रकुमार साहू निवासी वार्ड क्रमांक 12 थाना सरगॉव, गरूण सिंह पिता हीरा सिंह निवासी ग्राम नगपुरा थाना सरगॉव, योगेश्वर आर्मो पिता नंदलाल आर्मो निवासी ग्राम करही, थाना सिटी कोतवाली और सिद्धांत सिंह ठाकुर पिता अभिषेक सिंह ठाकुर निवासी ग्राम लालाकापा थाना सिटी कोतवाली को 06 माह के लिए जिलाबदर किया है। इन्हें मुंगेली एवं उनके सरहदी जिला कबीरधाम, बेमेतरा, बिलासपुर, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, बलौदाबाजार-भाटापारा एवं डिंडौरी (म. प्र.) जिलों की राजस्व सीमाओं से आदेश जारी होने के 24 घंटे के भीतर बाहर चले जाने तथा 06 माह की अवधि तक प्रवेश नहीं करने के लिए आदेशित किया गया है। इस आदेश का उल्लंघन करने पर उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार दीपक साहू ने वर्ष 2018 से आपराधिक गतिविधियों में संलग्न होकर अवैध शराब, मादक पदार्थ (गांजा) के विक्रय करने, शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने, आर्म्स एक्ट के प्रकरण, महिला के साथ छेड़छाड़ जैसे अपराध घटित किया है। गरूण सिंह पिछले 06-07 वर्षों से घर के अंदर घुसकर अश्लील गाली गुप्तार कर जान से मारने की धमकी देकर मारपीट करना सहित आपराधिक अभित्रास, गृह अत्याचार एवं दादागिरी का अपराध घटित किया है।

बसना थाना परिसर में दुर्गोत्सव व दशहरा पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

डॉ.सम्पत अग्रवाल ने त्योहार को शांति और सौहार्द्र के साथ मनाने किया अपील

बसना(समय दर्शन)। बसना थाना परिसर में बसना एस डी एम मनोज खाण्डे ,एस डी ओ पी ललिता मेहर,तहसीलदार कृष्ण कुमार साहू एवं थाना प्रभारी नरेन्द्र राठौर ने बसना विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल के आतिथ्य में महाअस्टमी के दिन, दुर्गा विसर्जन एवं आगामी त्योहारों को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में समाज प्रमुख, जनप्रतिनिधियों से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों और समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता स्थानीय विधायक संपत अग्रवाल ने की। इस अवसर पर एसडीओपी ललिता मेहर, नगर पंचायत अध्यक्ष खुशबू अग्रवाल, एसडीएम मनोज कुमार खंडे, तहसीलदार कृष्ण कुमार साहू, एवं थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह राठौर मंचासीन रहे। विधायक संपत अग्रवाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दुर्गा अष्टमी सहित सभी त्योहारों को आपसी भाईचारे और सौहार्द्र के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि शांति और व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

एसडीएम मनोज कुमार खंडे ने अपने संबोधन में कहा कि त्योहारों के दौरान शांति बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि समाज की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए सभी वर्गों को मिलकर प्रयास करना होगा। प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियाँ की जा रही हैं, लेकिन आम नागरिकों का सहयोग सबसे अहम है। उन्होंने आयोजन समितियों से आग्रह किया कि वे किसी भी विवाद की स्थिति से बचने के लिए प्रशासन के निर्देशों का पालन करें और किसी भी असमंजस की स्थिति में तुरंत संवाद स्थापित करें।

कृष्णा किड्स वर्ल्ड स्कूल पाटन में प्रशिक्षित हुए शिक्षक, नालेज इस पॉवर की बारीकियां बताई

पाटन (समय दर्शन)। कृष्णा किड्स वर्ल्ड स्कूल, पाटन में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर श्रीमती अनुपमा उपाध्याय, प्राचार्य मयंक कटकवार उप प्राचार्या श्रीमती यामिनी साहू एवं हमारे विशेष अतिथि गजेंद्र कुमार पटेल एवं डी.एल. यादव द्वारा आज के इस कार्यक्रम को माता सरस्वती की पूजा व दीप प्रज्वलित कर प्रारंभ किये, सर्वप्रथम अतिथियों का सम्मान व अभिवादन प्राचार्य जी द्वारा किया गया। तत्पश्चात उनका परिचय शिक्षकों से हुआ व कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए प्रशिक्षक गजेंद्र सर द्वारा शिक्षकों को किस प्रकार विद्यालय में अपनी योगदान देने एवं बच्चों के सहजतापूर्ण शिक्षण देने के विषय पर शिक्षकों को अपना अनुभव साझा किया गया व शिक्षकों को रचनात्मक एवं कलात्मक विकास पर जोर दिए जाने पर अपना विचार प्रकट किए श्री पटेल जी ने शिक्षकों को उनके महत्व को समझाया कि किस तरह हम अपने विद्यार्थियों को सफलतापूर्वक उनके कल्पनाओं की उड़ान भरने में उनका मदद कर सके किस तरह सभी बच्चों को उनके मानसिकता अनुसार ज्ञान प्रदान किया जाए, उन्होंने शिक्षकों को महान शिक्षकों द्वारा दिए गए उपदेशों एवं उनके द्वारा किए महान कार्य को उपमा देते हुए हम शिक्षकों को संबोधित किया। एवं डी.एल. यादव द्वारा शिक्षकों को उनके अपने संघर्षों की वर्णन करते हुए शिक्षकों को समाज का निर्माता कहते हुए शिक्षकों को सम्मानित किए। व उन्होंने शिक्षकों को शिक्षकों की महत्व एवं **Knowledge is Power** ऐसे वाक्यों से शिक्षकों को **Motivate** किए, उन्होंने बताया कि किस तरह समाज में शिक्षकों का सम्मान उनका स्थान महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने इस सुंदर वाक्य का उदाहरण दिए जैसे कि **Give me fish and I eat for aday, teach me teach me to fish and I eat for a lifetime** उनके द्वारा दिए गए इस वाक्य से शिक्षकों में उत्साह देखने के को मिलता जा रहा था, शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षकों के दिए गए शिक्षा इतना उत्साहित किए कि आज विद्यालय में ज्ञान गंगा का माहौल देखने को मिला श्री यादव ने जो उदाहरण बच्चों की उनकी पहचान के विषय में जो लाईन कहा वह अति प्रेरणा दायक रहा **A Tree is known by its fruit** अर्थात् पेड़ का नाम नहीं होता उनका नाम तो उसमें लगने वाले फ्ल के नाम से जाना जाता है। अत: शिक्षकों को अपनी पहचान के लिए बच्चों को देखना चाहिए बच्चे ही उन्होंने पहचान दिलाता है हमारे द्वारा किए गए प्रयास बच्चों में परिलक्षित होता है। अत: आज का यह कार्यक्रम अति रोचक एवं ज्ञानपूर्ण रहा इस कड़ी में श्री पटेल जी ने शिक्षकों के महत्व को साझा करते हुए कहा कि शिक्षक कभी नहीं मरते क्योंकि शिक्षकों द्वारा किए गए कार्य सदैव अमर हो जाते हैं। अत: में प्राचार्य मयंक कटकवार द्वारा धन्यवाद किए एवं उनका सम्मान में डायरेक्टर द्वारा प्रतीक चिन्ह एवं शॉल से सम्मानित किए अत: आज का कार्यक्रम समाप्त किया गया इस अवसर पर विद्यालय कृष्णा किड्स वर्ल्ड स्कूल, पाटन के सभी शिक्षकगण एवं कृष्णा पब्लिक स्कूल,धमतरी से एडमिनिस्ट्रेशन प्रभारी कु. सुप्रिया मेश्राम एवं विद्यालय के शिक्षकों ने भी यहां अपनी उपस्थिति प्रदान किए।

राज्य अधिवक्ता परिषद् के सदस्य पद के चुनाव के लिए अधिवक्ताओं ने उत्साह के साथ किया मतदान

प्रदेशभर में 105 प्रत्याशी चुनाव में आजमा रहे है अपना भाग्य,दुर्ग से 13 प्रत्याशियों ने ठोकी है ताल

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य अधिवक्ता परिषद् के सदस्य पद के चुनाव के लिए अधिवक्ताओं ने मंगलवार को उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दुर्ग जिला न्यायालय में मतदान के लिए कुल 7 बूथ बनाए गए थे, जिनमें डीजे सभागार में 4 बूथ और फैमिली कोर्ट में 3 बूथ शामिल है। इन बूथों में अधिवक्ताओं ने उत्साह के साथ पहुंचकर वोट किया। बूथ क्रमांक-01, बूथ क्रमांक-06 व बूथ क्रमांक-07 में अधिवक्ताओं की मतदान को लेकर दोपहर में लंबी कतारें लगी रही। इस चुनाव में दुर्ग जिला न्यायालय से कुल 13 प्रत्याशी चुनावी मैदान में है। जिनमें प्रत्याशी संतोष वर्मा, संजय अग्रवाल, उत्तम चंदेल, बादशाह प्रसाद सिंह, नागेन्द्र शर्मा, नरेन्द्र सोनी, अरशद खान,चेतन तिवारी, हेमंत मिश्रा, सोहनलाल चंद्रपक्षी, विपिन तिवारी, तामस्कर टंडन, सुधीर चंद्राकर के नाम शामिल है ।यहां अधिवक्ता मतदाताओं की संख्या 2552 है। मतदान के दौरान दुर्ग जिला न्यायालय के बाहर मुख्य प्रवेश द्वार पर सदस्य पद के प्रत्याशी अंतिम समय तक अपने पक्ष में वोट करने अधिवक्ताओं से निवेदन करते नजर आए, वहीं प्रत्याशियों के समर्थक अधिवक्ता भी मतदान के दौरान सक्रिय रहे। जिससे मतदान के दौरान जिला न्यायालय परिसर के अंदर और बाहर गहमागहमी का माहौल रहा। छत्तीसगढ़ राज्य अधिवक्ता परिषद् के सदस्य पद के चुनाव के लिए दुर्ग में जिला सत्र एवं न्यायाधीश विनोद कुजूर को चुनाव प्रभारी और फास्ट टैक कोर्ट के अपर सत्र न्यायाधीश अवध किशोर को चुनाव अधिकारी का दायित्व सौंपा गया था। इनके मार्गदर्शन में जिला न्यायालय में मंगलवार की सुबह 10 बजे मतदान की प्रक्रिया शुरु हुई, जो शांतिपूर्ण ढंग से जारी है। मतदान के लिए शाम 5 बजे तक अंतिम समय निर्धारित किया गया है। समाचार के लिखे जाने तक मतदान के लिए लगातार अधिवक्ता मतदाताओं का मतदान केन्द्र पहुंचने का क्रम जारी रहा। चुनाव के लिए जिला अधिवक्ता संघ की अध्यक्ष सुश्री नीता जैन,सचिव रविशंकर सिंह, कोषाध्यक्ष अनिल जायसवाल को सहयोगी बनाया गया था। संघ के ये पदाधिकारी मतदान के दौरान व्यवस्था बनाने में जुटे रहे। बता दें कि छत्तीसगढ़ राज्य अधिवक्ता परिषद् के सदस्य पद के चुनाव के लिए प्रदेशभर में कुल 105 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे है। इस चुनाव में करीब 25 हजार अधिवक्ता मतदाता को मतदान की पात्रता है। चुनाव में सदस्य पद के लिए सर्वाधिक 36 प्रत्याशी बिलासपुर से है। रायपुर से 19 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे है, जबकि दुर्ग से प्रत्याशियों की संख्या 13 है। यह चुनाव छत्तीसगढ़ राज्य अधिवक्ता परिषद् के 25 सदस्य पद के लिए हो रहे है। इस चुनाव में प्रत्याशियों का चयन वरीयता के आधार के पर किया जाएगा। एक मतदाता को कम से कम 5 वोट और अधिक से अधिक 25 वोट करना है। अगर मतदाता 5 वोट से कम करता है, तो उसका वोट निरस्त माना जाएगा। बहरहाल सदस्य पद के चुनाव के परिणाम के लिए 13 अक्टूबर से बिलासपुर हाईकोर्ट में मतगणना शुरु की जाएगी।

भाजपा प्रवक्ता के विवादित बयान से कांग्रेस ने की कार्यवाही की मांग

बालोद (समय दर्शन)। जिला कांग्रेस कमेटी बालोद के तत्वावधान में मंगलवार 30 सितंबर को भाजपा की प्रवक्ता पिंटू महादेव के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही किए जाने के मांग को लेकर सिटी कोतवाली बालोद में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीयो के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया ।भाजपा के प्रवक्ता पिंटू महादेव ने अपने सार्वजनिक बयान न्यूज़ चैनल में दिया है कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा के विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी जी को खुलेआम सीने में गोली मारकर जान से मार देना चाहिए, यह बयान घोर आपत्तिजनक है निंदनीय है इस बयान से यह स्पष्ट होता है कि राहुल गांधी जी की बढ़ती लोकप्रियता को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं, और उनकी हत्या की साजिश रच रहे हैं। इसके पूर्व में भी उनके पिता स्वर्गीय राजीव गांधी जी एवं दादी स्वर्गीय इंदिरा गांधी की भी हत्या हो चुकी है। पिंटू महादेव का बयान पूरे देश में हिंसा, अराजकता को बढ़ाने वाला और शांति भंग करने वाला बयान है जिला कांग्रेस कमेटी के तमाम पदाधिकारी के द्वारा सिटी कोतवाली बालोद में अपराधिक प्रकरण दर्ज करने हेतु आवेदन दिया गया है।उक्त कार्यक्रम में जिला जिला कांग्रेस कमेटी बालोद के अध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी, श्री पुरुषोत्तम पटेल, श्री कृष्णा दुबे, कासिमुद्दीन कुरैशी जी, यज्ञदेव पटेल जी, अनिल यादव जी , अंचल प्रकाश साहू जी, धीरज उपाध्याय, सुनील मालेकर जी, सतीश यादव जी, सुमित शर्मा जी, प्रियांशु कत्याल जी अनीस खान जी उपस्थित रहे।

स्वस्थ माँ दिवस थीम पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

महासमुन्द(समय दर्शन)। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत आज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तुमगांव एवं विकासखण्ड महासमुन्द के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में स्वस्थ माँ दिवस जिरियाट्रिक केयर थीम पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

आयोजन में स्वस्थ माँ शिविर, मेगा हेल्थ कैंप, वयोवृद्ध स्वास्थ्य कार्यक्रम, वय वंदन कार्ड वितरण, आभा आईडी निर्माण तथा चिरायु दल द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण जैसी गतिविधियाँ संपन्न हुईं। साथ ही नवरात्रि शिविर स्थलों में व्यापक प्रचार-प्रसार कर समाज को यह संदेश दिया गया कि नारी जब तक स्वस्थ, शिक्षित और सशक्त नहीं होगी तब तक परिवार, समाज और देश का विकास संभव नहीं है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव तथा खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तुमगांव डॉ. विकास चंद्राकर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम संचालन में बी.पी.एम. सुरेन्द्र चंद्राकर, बी.ई.टी.ओ. श्री गिरीश ध्रुव, सभी सेक्टर सुपरवाइजर, आर.एच.ओ., बी.सी. और मितानिन का विशेष सहयोग रहा। इस आयोजन से समस्त जनसमुदाय ने लाभ प्राप्त किया।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 2025: 25 पंचायतें उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित

मुंगेली(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती वर्षगांठ के अवसर पर कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत मुंगेली में उत्कृष्ट पंचायत सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय एवं जनपद पंचायत मुंगेली अध्यक्ष रामकमल सिंह परिहार उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनपद पंचायत मुंगेली की कुल 25 पंचायतों को विभिन्न योजनाओं में उल्लेखनीय कार्य करने पर स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इनमें 05 पंचायतों को आवास योजना, 05 पंचायतों को मनरेगा अंतर्गत मोर गांव-मोर पानी अभियान, 05 पंचायतों को स्वच्छ भारत मिशन, 05 पंचायतों को पंचायत अभिलेख संधारण और 05 पंचायतों को बिहान योजना में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इसके साथ ही सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, आवास मित्र, सक्रिय महिला, लखपति दीदी और स्वच्छग्राही सहित कुल 125 लोगों को प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की रजत जयंती पर राज्य के विकास की यात्रा पर भी चर्चा हुई। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि सन 2000 में राज्य गठन के बाद से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ ने महत्वपूर्ण प्रगति की है।

उन्होंने गरीबी, अशिक्षा और पर्यावरण संरक्षण जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। जनपद पंचायत अध्यक्ष ने किसानों की आय में वृद्धि, वनवासियों और ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव, महिलाओं की भागीदारी से सामाजिक परिवर्तन और उद्योग-निवेश की नई संभावनाओं को राज्य की बड़ी उपलब्धियों के रूप में रेखांकित किया। इस दौरान अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में महिलाएँ और पुरुष प्रतिभागी शामिल रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित।
संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samay.darshan191@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27